सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
YouTube

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 01, अंक 289, नई दिल्ली | शनिवार, 30 दिसम्बर 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

आज का सुविचार

खुशी और गम एक दूसरे के समांतर चलते हैं जब एक शांत होता है तो दूसरा भी शिथिल पड़ जाता है

परिवहन विभाग द्वारा लागू हुए नए आदेश नये आदेश के अनुसार ज़रूरी हुआ वीडियो नही तो प्रदुषण नियंत्रण प्रमाणपत्र के बाद भी कट सकता है प्रदूषण का चालान

संजय बाटला

नई दिल्ली। अगर आप भी अपने निजी वाहन से सफर करते हैं, तो आपके लिए यह जानकारी बेहद महत्वपूर्ण है। प्रदूषण अंडर कंट्रोल (PUC) सर्टिफिकेट से जुड़े नियमों में हाल ही में बड़े बदलाव किए गए हैं, जिनकी अनदेखी करना आपको महंगा पड़ सकता है।

धुआं उत्सर्जन की वीडियो रिकॉर्डिंग अनिवार्य

अब प्रदुषण जांच केन्द्र को प्रदूषण जांच के दौरान कम से कम 10 सेकंड का वीडियो रिकॉर्ड करना अनिवार्य होगा। इस वीडियो में वाहन की नंबर प्लेट और परीक्षण प्रक्रिया स्पष्ट रूप से दिखाई देनी चाहिए। इसके बाद, इस वीडियो को सरकार के वाहन पोर्टल पर अपलोड करना होगा।

धांधली रोकने के लिए यह कदम

ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने वाहनों के प्रदुषण नियंत्रण प्रमाणपत्र फर्जी तरीके से/ बिना वाहन जांच के ना जारी हो पाए इसके लिए नया नियम लागू किया,

प्रदुषण नियंत्रण जांच प्रमाणपत्र की अनिवार्यता

मोटर व्हीकल एक्ट के अनुसार, भारत में वाहन चलाने के लिए प्रदुषण नियंत्रण जांच प्रमाणपत्र लेना अनिवार्य है। इस परीक्षण में, वाहन से निकलने वाले धुएं की जांच की जाती है, और इसके आधार पर प्रमाणपत्र जारी किया जाता है।

प्रदुषण नियंत्रण जांच प्रमाणपत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया

सबसे पहले,

a. अपने वाहन को निकटतम एमिशन टेस्ट सेंटर पर ले जाएं।

b. ऑपरेटर आपके वाहन के एग्जॉस्ट पाइप में टेस्टिंग डिवाइस लगाकर धुएं की जांच करेगा।

c. इस पूरी प्रक्रिया का 10 सेकंड का वीडियो बनाया जाएगा, जिसे बाद में ई वाहन पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा।

इसके बाद,

वाहन का पॉल्यूशन सर्टिफिकेट जारी किया जाएगा, जिसे आप ऑनलाइन भी डाउनलोड कर सकते हैं। इस नए नियम के साथ, परिवहन विभाग/ सरकार धांधली को रोकने और प्रदूषण नियंत्रण में सुधार लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाने का दावा कर रही है।

महिला के नाम ई वाहन ख़रीदने से मिलेगी ज़्यादा सब्सिडी, फेम- 3 ईवी पालिसी में होने जा रहा हैं बड़ा बदलाव

देश में इलेक्ट्रिक गाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने फेम 3 पॉलिसी का ड्रॉफ्ट तैयार कर लिया है. नई पॉलिसी में पुरानी यानी फेम 2 के मुकाबले सरकार 3 गुना ज यादा पैसे खर्च करेगी.

फेम 3 में सब्सिडी के दायरे में ज्यादा इलेक्ट्रिक व्हिकल भी आएंगे. सरकार ने इलेक्ट्रिक ट्रक और टैक्टर पर भी सब्सिडी देने का प्रस्ताव दिया है. यही नहीं महिलाओं के नाम पर खरीदी जाने वाली इलेक्ट्रिक गाडियों पर अतिरिक्त दस फीसदी सब्सिडी देने का प्रस्ताव भी फेम 3 पॉलिसी के ड्रॉफ्ट में किया गया है. इसका मतलब है कि अगर अपनी पत्नी, बेटी या बहन के नाम ईवी खरीदते हैं तो आपके खूब पैसे बचेंगे.

सरकार ने इलेक्ट्रिक गाड़ियों के लिए फेम 3 पॉलिसी का ड्राफ्ट तैयार कर लिया है. सूत्रों का कहना है कि फेम 2 के मुकाबले फेम 3 में सरकार तीन गुना ज्यादा खर्च करेगी. नई पॉलिसी में 33240 करोड़ रुपये का प्रस्ताव रखा गया है. फेम 2 में 10,000 करोड़ रुपये का फंड सरकार ने रखा था.

इनोवेटिव फंड का प्रावधान

फेम 3 में इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स के लिए 1000 करोड़ का इनोवेशन फंड का प्रावधान करने का प्रस्ताव ड्रॉफ्ट पॉलिसी में किया गया है. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, फेम 3 में हर साल सब्सिडी घटती जाएगी. गौरतलब है कि फेम 2 में स्कीम के लिए सब्सिडी फ्लैट थी. फेम 3 के लिए 33240 करोड़ रुपये का प्रस्ताव रखा गया है, जबकि फेम 2 स्कीम 10000 करोड़ की थी.

महिलाओं को ज यादा सब्सिडी

फेम 3 योजना की एक खास बात सामने आई है की इसमें महिलाओं को ज्यादा प्रोत्साहित किया जाएगा। ड्रॉफ्ट पॉलिसी में महिलाओं को अतिरिक्त 10 फीसदी सब्सिडी देने का प्रस्ताव दिया गया है. फेम 2 में ऐसा कोई प्रावधान नहीं था. साथ ही फेम 3 में सब्सिडी के दायरे में इलेक्ट्रिक ट्रक और ट्रैक्टर को लाने का प्रावधान है. यानी इन पर भी सब्सिडी मिल सकती है.

कितनी मिलेगी सब्सिडी

ड्रॉफ्ट पॉलिसी के अनुसार, शहरों, इंट्रा-सिटी, मेट्रो फीडर के लिए 40 लाख इलेक्ट्रिक बसों को सब्सिडी देने की योजना है. **ई-ट्रक के लिए 15000 रुपये प्रति किलोवाट या वाहन लागत का 20 फीसदी की सब्सिडी दी जाएगी. इस अवधि के लिए सब्सिडी एक समान रहेगी. **ई-ट्रैक्टर के लिए सब्सिडी 15000 रुपये प्रति किलोवाट या वाहन लागत का 30 फीसदी होगी।

पहली बार दुहाई से मेरठ दक्षिण स्टेशन पहुंची रैपिड ट्रेन, गाजियाबाद से आसान हो जाएगा सफर

यात्रियों के लिए दुहाई से मेरठ दक्षिण के बीच बहुत जल्द लोगों को रैपिड ट्रेन से सफर करने का मौका मिलेगा। दुहाई से मेरठ दक्षिण स्टेशन के बीच 25 किलोमीटर लंबे रूट पर नमो भारत ट्रेन का ट्रायल रन शुक्रवार से शुरू हुआ। दो माह पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की पहली नमो भारत ट्रेन का परिचालन साहिबाबाद से दुहाई के बीच शुरू किया था।

गाजियाबाद। दुहाई से मेरठ दक्षिण स्टेशन के बीच 25 किलोमीटर लंबे रूट पर नमो भारत ट्रेन का ट्रायल रन शुक्रवार से शुरू हुआ। शुरुआत में धीमी गति से इस रूट पर ट्रेनों को चलाकर देखा जा गया। कुछ दिन बाद इसकी रफ्तार बढ़ाई जाएगी।

दो महीने पहले मोदी ने किया उद्घाटन

ट्रायल रन सफल होने के बाद ट्रेन का परिचालन यात्रियों के लिए दुहाई से मेरठ दक्षिण के बीच शुरू किया जाएगा, जिससे कि लोगों को मेरठ से गाजियाबाद आवागमन में परेशानी नहीं होगी। मिनटों में सफर पूरा कर सकेंगे। दो माह पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की पहली नमो भारत ट्रेन का परिचालन साहिबाबाद से दुहाई के बीच शुरू किया था।

दूसरे चरण में दुहाई से मेरठ दक्षिण स्टेशन तक ट्रेन का परिचालन यात्रियों के लिए किया जाना प्रस्तावित है। इसी कड़ी में ट्रायल रन शुरू किया गया है। दुहाई और मेरठ साउथ स्टेशन के बीच 25 किलोमीटर में कुल चार स्टेशन मुरादनगर, मोदी नगर उत्तर, मोदीनगर दक्षिण व मेरठ दक्षिण शामिल हैं।

ट्रायल रन के दौरान नमो भारत ट्रेनों के सभी उपकरणों की फिटनेस का आकलन करने के लिए परीक्षण किया जा रहा है। ट्रेन को धीरे-धीरे पूरी लंबाई में अलग-अलग गति से चलाया जाएगा। शुरुआत में ट्रेन नियंत्रण प्रबंधन प्रणाली के तहत मैन्युअल संचालन किया जा रहा है। जैसे-जैसे प्रक्रिया आगे बढ़ेगी ट्रेन के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए सिग्नलिंग, प्लेटफार्म स्क्रीन दरवाजे (पीएसडी), ओवरहेड आपूर्ति प्रणाली इत्यादि जैसे विभिन्न प्रणालियों के साथ संचालन कर परीक्षण किया जाएगा।

25 किमी लंबे रूट पर ट्रायल रन शुरू

एनसीआरटीसी के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पुनीत वत्स ने बताया कि साहिबाबाद से दुहाई तक प्रथम चरण में नमो भारत ट्रेन का संचालन शुरू होने के बाद 80 दिनों के भीतर दूसरे चरण में 25 किमी लंबे अतिरिक्त खंड दुहाई से मेरठ दक्षिण के बीच नमो भारत ट्रेनों का ट्रायल शुरू कर दिया गया है।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा को जोड़ेगा नया एक्सप्रेस-वे, नोएडा एयरपोर्ट से दिल्ली तक होगी कनेक्टिविटी

जेवर में शुरू होने जा रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए दिल्ली व नोएडा से सीधी कनेक्टिविटी दी जानी है। इसके लिए एक नया एक्सप्रेस वे बनाया जाना है। नया एक्सप्रेस–वे पुराने के समानांतर ही बनाया जाएगा। यह नया एक्सप्रेस–वे एलिवेटेड भी हो सकती है। एक्सप्रेस वे के डिजाइन लंबाई और चौड़ाई के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई।

नोएडा। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर भारी यातायात है। इसके भार को कम करने के लिए ही यहां एक नया एक्सप्रेस वे बनाया जाना है। नया एक्सप्रेस-वे पुराने के समानांतर ही बनाया जाएगा। आने वाले समय में जेवर में शुरू होने जा रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए दिल्ली व नोएडा से सीधी कनेक्टिविटी दी जानी है।

एक्सप्रेस-वे के डिजाइन संबंधी मांगी गई जानकारी

इसके लिए सोमवार को स्थलीय निरीक्षण के दौरान पुश्ता रोड पर प्रस्तावित एक्सप्रेस-वे के क्रॉस सेक्सनल डिटेल, लोंगिट्यूडनल डिटेल और ऑब्लिगेटरी प्वाइंट पर विचार किया गया। साथ ही इनकी मार्किंग भी की गई। एक्सप्रेस वे के डिजाइन, लंबाई और चौड़ाई के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई।

नोएडा प्राधिकरण अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय कुमार खत्री ने एनएचएआइ, सिचाई विभाग, राइट्स को इसकी फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिया। बता दें कि पिछले दिनों दिल्ली में एनएचएआइ ने नोएडा, ग्रेनो, यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों व जिला प्रशासन के साथ बैठक की थी। इस बैठक में एनएचएआइ के अध्यक्ष संतोष यादव भी मौजूद थे।

एक्सप्रेस-वे पर दबाव कम करने की कवायद

एक्सप्रेस वे पर यातायात का दबाव लगातार बढ़ रहा है। इसको देखते हुए नोएडा प्राधिकरण ने विकल्प तलाशने की तैयारी शुरू की थी। मार्च में विकल्प तलाश कर रिपोर्ट देने के लिए एजेंसी चयन को टेंडर भी जारी हुआ था, लेकिन फिर यह कवायद रुक गई थी।

शुक्रवार को नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेस वे के विकल्प के तौर पर एक और रास्ता बनाने के लिए गठित समिति ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया। यह नया विकल्प यमुना पुश्ता के समानांतर बनाया जाएगा। यह नया एक्सप्रेस-वे या एलिवेटेड रोड भी हो सकती है।

नये विकसित किए जा रहे सेक्टरों को मिलेगा लाभ

अब जेवर में बनने वाले नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के कारण, प्राधिकरण जल्द ही इस पर काम शुरू कर सकता है। यह एक्सप्रेस-वे नोएडा के सेक्टर 128, 135, 150, 151, 168 के साथ-साथ ग्रेटर नोएडा के कुछ क्षेत्रों को जाने वाले वाहन चालकों को एक अतिरिक्त कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। उपयोगिता को बढ़ाने के लिए नोएडा प्राधिकरण को सेक्टर-150 से दायीं ओर हरियाणा के फरीदाबाद को जोड़ना होगा।

इसके लिए यमुना में ऊपर पुल बनाकर जोड़ा जा सकेगा। इससे नया एक्सप्रेस-वे की उपयोगिता बढ़ा जाएगी। उधर नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेस-वे के दूसरी ओर एडवंट अंडरपास का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। जो फरीदाबाद नोएडा गाजियाबाद (एफएनजी) को सेक्टर-135 के पास जुड़ने के लिए तैयार है। आने वाले समय में फेस टू से शाहदरा गांव तक एलिवेटेड रोड बनाने की योजना प्रस्तावित है। यह एफएनजी का हिस्सा है।

श्रीराम अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट व रेलवे स्टेशन अयोध्या के उद्घाटन समारोह को लेकर रूट डायवर्जन प्लान

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। ट्रैफिक पुलिस द्वारा एक प्रेस नोट जारी किया गया, जिसमें उन्होंने लिखा- सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि दिनांकः 30.12.2023 को श्री राम अन्तराष्ट्रीय एअर पोर्ट व रेलवे स्टेशन के उदघाटन समारोह के अवसर पर जनपद अयोध्या की तरफ जाने वाले सभी बड़े वाहन डाइवर्ट किये जा रहे हैं। डायवर्जन का मार्ग निम्नवत हैं-

1-हलियापुर से अयोध्या की तरफ जाने वाले सभी भारी वाहन दिनांक 29.12.2023 की सायं 09.00 बजे से व सभी छोटे वाहन दिनांकः 30.12.2023 को सुबह 08.00 बजे से अयोध्या की तरफ न जाकर कूरेभार से पीढी की तरफ डायवर्ट किये जायेगे, जो सेमरी होते हुए अपने गन्तव्य को जा जायेगें।

2-कूरेभार से अयोध्या की तरफ जाने वाले सभी भारी वाहन दिनांक 29.12.2023 की सायं 09.00 बजे से व सभी छोटे वाहन दिनांकः 30.12.2023 को सुबह 08.00 बजे से अयोध्या की तरफ न जाकर कूरेभार से पीढी की तरफ डायवर्ट किये जायेगे, जो सेमरी होते हुए अपने गन्तव्य को जायेगें।

3-कटका से अयोध्या की तरफ जाने वाले सभी भारी वाहन दिनांक 29.12.2023 की सायं 09.00 बजे से व सभी छोटे वाहन दिनांकः 30.12.2023 को सुबह 08.00 बजे से अयोध्या की तरफ न जाकर सेमरी की तरफ डायवर्ट किये जायेगे, जो सेमरी होते हुए अपने गन्तव्य को जायेगें।

पुलिस अधीक्षक सुलतानपुर

रूट डायवर्जन प्लान

दिनांक-30.12.2023 को माननीय प्रधानमंत्री भारत सरकार के जनपद अयोध्या आगमन के अवसर पर जनपद बस्ती क्षेत्रान्तर्गत यातायात व्यवस्था सुदृढ़ रखने हेतु निम्न मार्ग निर्धारित किया गया है-

उक्त कार्यक्रम के दृष्टिगत दिनांक-29.12.2023 को रात्रि 12:00 बजे से दिनांक-30.12.2023 को अपराह्न 18:00 बजे तक-

- संतकबीर नगर से आने वाले भारी वाहन जिन्हें लखनऊ जाना है वे गाड़ियां पॉलिटेक्निक चौराहे से होकर गौरा होते हुए यथा क्रमशः रुधौली> बांसी> उतरौला होकर लखनऊ जायेंगी |
- डुमरियागंज, बांसी से होकर आने वाले सभी प्रकार के वाहन जिन्हें लखनऊ जाना है वे गाड़ियां बड़ेबन से होकर फुटहिया होते हुए यथा क्रमशः कलवारी> टाण्डा होकर लखनऊ जायेंगी |
- सभी प्रकार के वाहन/ गाड़ियां जिन्हें अम्बेडकर नगर जाना है वे गाड़ियां बड़ेबन से होकर फुटहिया होते हुए यथा क्रमशः कलवारी> टाण्डा होकर अम्बेडकर नगर जायेंगी |

बस्ती पुलिस

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

सिख गुरु और यज्ञ

प्रसिद्ध क्रिकेट खिलाडी एवं राजनीतिज्ञ नवजोत सिंह सिद्धू द्वारा अपने घर पर हवन-यज्ञ करवाया गया। कुछ सिखों ने उनका यह कहकर आलोचना करी कि हवन-यज्ञ का सिख पंथ में कोई स्थान नहीं है। हम अपने सिख भाइयों को अपने गौरवशाली इतिहास से परिचित करवाना चाहते है कि सिख गुरुओं की हवन-यज्ञ में पूर्ण आस्था थी। स्मरण रहे कि गुरु गोविन्द सिंह ने खालसा की स्थापना करते समय यज्ञ करने के पश्चात ही पञ्च प्यारों का आवाहन किया था।

सिख पंथ में यज्ञ (होम) का वैसा ही महत्त्व स्वीकार किया गया है जैसा कि हिंदू धर्म के अन्य वर्ग संप्रदायों में प्रचलित हैं। गुरुवाणी में यज्ञ- महिमा का उल्लेख अनेकों स्थानों पर मिलता है जैसे

तित धोए 'होम' जदा सद पूजा।
पइयै कारण सो है॥
(वार माफ म०१ गु०प्र० साहिब)

अर्थात्- इस घृत से हवन, यज्ञ और पूजा कार्य सुसंपन्न होता है।

होम जग उरब तप पूजा,
कोटि तीर्थ इसनान करीजा।
चरण कमल निमला रिदै धारे,
गोविंद जपत सभि कारज॥
(प्रभाती म०५गु०प्र०)

अर्थात्- पवित्र हवन, यज्ञ, तप, पूजा, तीर्थ स्नान आदि शुभकर्म मनुष्यों को करने चाहिए।

गुरुदास जी ने अपनी रचना 'इकतालीसवीं बार' में गुरु गोविंदसिंह से संबंधित संस्मरण में लिखा है-

निज फते बुलाई सति गुरु, कीनी उज्यारा।
झूठ कपट सब छिप गए, सब सज वरतारा॥
फिर जप ₹होम₹ ठहराए कर निज धर्म सँवारा।
तुर्क दुंद स्तभ उठ गयो, रुचियो जैकारा॥२८॥

अर्थात्- दसवें श्री गुरु गोविंदसिंह जी ने अपनी विजय की घोषणा की। अंधेरगर्दी समाप्त की, न्याय का प्रकाश फैलाया और हवन- यज्ञ का प्रचार किया।

चीफ खालसा दीवान के उपदेशक श्री हरनामसिंह ने अपनी पुस्तक 'सच्ची मुहब्बत' में लिखा है-

₹यज्ञ₹ ₹होम₹ हीवना न हिंद में भूल पाता,
फूलते निशान नहीं आज हिंदुस्तान के॥
कहत हरनाम सिंह न इसमें झूठ जानो,
तीर जो न छूटते गोविंदसिंह जवान के॥

अर्थात्- यदि योद्धा गुरु गोविंदसिंह के तीर न छूटते तो यज्ञ, होम और धर्म के फलने- फूलने का चिह्न दिखाई न पड़ता।

नामधारी सिखों के 'नित्यनियम गुटके' में लिखा है- ''साहिब गुरु गोविंदसिंह की हवन-यज्ञ के साथ ऐसी प्रीति थी कि आपने सवा लाख दमड़े की सामग्री एकत्र करके नैना देवी के मंदिर में हवन किया था।''

'पंथ प्रकाश निवास' में भाई केशवदास जी ने गुरु गोविंदसिंह का अभिमत व्यक्त करते हुए लिखा है-

जब हम हवन यज्ञ करवै हैं,
खुश हो जल बहु बरसै हैं।
दुर्भिक्ष नसै अन्न बहु थैहै।
सुकृत सब करदे लग जैहै।
नसै अविद्या विद्या अईहै।
शूरवीरता दृढ़ प्रगटईहै।
वर्ण आगामी जन है जेते।
कायरता कर पर्ण तेते।
उन्हें हवन की पवन लगे जब।
शेर विघा उन से होइये सब।
प्रभुता देह आरोग्य क्रांति विजय।
ज्ञान संतति सुखदाती गुण सब।
बालक भाग्यवान प्रकटैहै।
रोग शीतला आदि नसैहै।
कामादि जो आसुरी संपत्ति।
यज्ञ को लखकर कंपति।
उत्तम गुण सत्यादिक जे है।
बावन कह वेद ऋा में है।
सो अवश्य जग में प्रकटे हैं।
होम यज्ञ विधिवत् जब ये हैं॥

उपर्युक्त पद सरल हैं। उनका भावार्थ समझने पर पता चलता है कि सिख धर्म के गुरुओं को यज्ञ- हवन में कितनी सघन आस्था थी।

आगे का अंश

Sukhvindr Singh cheem की वाल से

खालसा पन्थ की स्थापना के समय ब्राह्मण,हिन्दू खत्री आगे आये थे।हर हिन्दू ने अपने परिवार का बड़ा बेटा खालसा फौज के लिए दिया था।एक और जहां मराठे लड़ रहे थे वहीं दूसरी और राजपूतों और ब्राह्मणों ने मुगलों की नाक में दम किया हुआ था।जब पहली खालसा फ़ौज बनी तब उसका नेतृत्व एक ब्राह्मण भाई प्राग दास जी के हाथ में था।उसके बाद उनके बेटे भाई मोहन दास जी ने कमान सम्भाली।सती दास जी,मति दास जी,दयाल दास जी जैसे वीर शहीद ब्राह्मण खालसा फ़ौज के सेनानायक थे। इन्होंने गुरु जी की रक्षा करते हुए अपनी जान दी। गुरु गोविन्द सिंह जी को शस्त्रों की शिक्षा देने वाले पण्डित कृपा दत्त जी भी एक ब्राह्मण थे, उनसे बड़ा योद्धा कभी पंजाब के इतिहास में नही देखा गया।।1906 में खालसा पन्थ सिख धर्म बना। अकाली लहर चला कर उसे हिन्दू धर्म से कुछ लोगों ने अलग कर दिया। इतिहास से छेड़छाड़ हुई पर सच्चाई कभी बदल नही सकती।

सभी हिन्दू और सिखो से अनुरोध है कि आप हिन्दू सिखो की सांझी विरासत को पहचानिए और हमारा असली इतिहास जिसे बिकाऊ वामपंथी इतिहासकारों ने मिटा दिया वो सबके सामने आये।

क्या आप भी सर्दियों में सनस्क्रीन लगाते हैं? लगाने से पहले मान लें डॉक्टर की सलाह, ताकि न पड़ें लेने के देने

सर्दियों में कितने एसपीएफ की सनस्क्रीन लगानी चाहिएसर्दियों में कितने एसपीएफ की सनस्क्रीन लगानी चाहिए

कोई भी व्यक्ति जो सर्दियों में धूप में एक्सपोजर के दौरान सनस्क्रीन का इस्तेमाल नहीं करता है वह खुद को जानबूझकर हानिकारक किरणों के प्रभाव में ला रहा है. सूर्य की UV और UVB किरणें झुर्रियों से लेकर, स्किन की रंगत को बिगाड़ने से लेकर कैंसर तक की समस्या पैदा कर सकती हैं.

सूरज की किरणें यानी धूप हमारे शरीर के लिए जरूरी है. यह हमें विटामिन डी बनाने के लिए जरूरी तत्व प्रदान करती है. विटामिन डी न सिर्फ शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बेहद आवश्यक है. लेकिन इसी सूरज की किरणें जब तीखी हों या सूरज की रोशनी में एक्सपोजर ज्यादा हो तो यह लाभदायक न होकर हानिकारक होने लगती हैं. दरअसल सूरज की किरणों में मौजूद यूवी और यूवीबी किरणें कैंसर तक को दावत दे सकती हैं. ऐसे में इनसे बचाव बेहद जरूरी है. सूर्य की तेज रोशनी से बचने के लिए छाया में अधिक से अधिक रहने (यानी इनडोर रहने) के अलावा, स्कार्फ आदि का इस्तेमाल करना चाहिए. लेकिन जो चीज सबसे जरूरी है वह है सनस्क्रीन का इस्तेमाल. त्वचा रोग विशेषज्ञ यानी डर्मेटॉलजिस्ट धूप में जाने से पहले सनस्क्रीन लगाने की हिदायत देते हैं. इसी के साथ कई सवाल उठ खड़े होते हैं जिनके जवाब हमने ढूंढने के लिए रिसर्च और डॉक्टरी मदद ली. फोर्टिस ला फेम में कंसल्टेंट डर्मेटॉलिस्टिस, डॉक्टर राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल में सीनियर रेजिडेंट रहीं और मैक्स स्मार्ट सुपरस्पेशलिटी अस्पताल में भी त्वचा रोग विशेषज्ञ के तौर पर सेवाएं दे चुकीं डॉक्टर मनीषा चोपड़ा से बात की और सनस्क्रीन से जुड़े विभिन्न सवालों के जवाब जानने चाहे.

क्या आप भी उन लोगों में से हैं जो मानते हैं कि सर्दियों में सनस्क्रीन नहीं लगानी चाहिए. यदि हां तो जान लीजिए कि सर्दियों में भी सनस्क्रीन का इस्तेमाल उतना ही जरूरी है जितना कि गर्मियों में. सच तो यह है कि सर्दियां हो या गर्मियां या कोई भी अन्य मौसम, सनस्क्रीन का इस्तेमाल शरीर के उघड़े हुए हिस्सों में होना ही चाहिए. यह सोचना कि गर्मियों में ही सनस्क्रीन लगानी चाहिए, एकदम गलत है. सूर्य की हानिकारक यूवीबी और यूवी किरणें सर्दियों में भी हम तक पहुंचती हैं. अच्छा तो यह होता है कि घर के अंदर भी सनस्क्रीन लगाई जाए. यह जानकारी देते हुए डॉक्टर वंदना आगे जवाब देती हैं इस सवाल का कि सनस्क्रीन कैसे और कब लगाई जानी चाहिए. साथ ही वह यह भी जोर देकर कहती हैं कि 30 या 30 से अधिक का एसपीएफ हो, ऐसी ही सनस्क्रीन लगाई जानी चाहिए.

सनस्क्रीन दिन में कितनी बार लगाएं?

चाहे कोई भी मौसम हो चेहरे व शरीर के हरेक उस हिस्से पर सनस्क्रीन लगानी चाहिए जो उघड़ा है, यानी जो सूर्य की किरणों के प्रभाव में आ सकता है या आ रहा है. यहां तक कि ऐसा कुछ नहीं है कि अधिक उम्र की महिलाओं या पुरुषों को ही यह लगाई जानी चाहिए. हर व्यक्ति को लगानी चाहिए. इसके लिए जरूरी है कि सनस्क्रीन घर से बाहर निकलने से 20 मिनट पहले यानी धूप के प्रभाव में आने से 20 मिनट पहले लगानी चाहिए. शरीर का जितना हिस्सा भी धूप के प्रभाव में आ सकता है, उस पर सनस्क्रीन अप्लाई करें. अगर आप लंबे समय तक आउटडोर हैं तो अपने बैग में सनस्क्रीन की ट्यूब जरूर रखें ताकि हर दो से तीन घंटे बाद इसे लगा सकें.

ऐसे लोगों को नहीं लगानी चाहिए सनस्क्रीन

वैसे तो सनस्क्रीन हरेक को लगानी चाहिए लेकिन ऐसे लोग जिन्हें इस क्रीम में मौजूद किसी खास तत्व से अलर्जी है तो वे इसका प्रयोग तुरंत बंद कर दें. हो सके तो किसी अच्छे डॉक्टर से मिलकर उससे अपनी त्वचा के मुताबिक सूर्य की किरणों से बचाने के लिए सनस्क्रीन बाबत सलाह ले लें. सनस्क्रीन लगाने से अलर्जी हो गई हो तो भी तुरंत डॉक्टर के पास जाएं और खुद से खुद को ट्रीट करने की कोशिश न करें.

क्या फायदा देती है सनस्क्रीन

एक अच्छी सनस्क्रीन स्किन को डैमेज होने से बचाती है. सनस्क्रीन फोटो एजिंग से बचाती है. फोटो एजिंग एक प्रकार से स्किन में प्रीमैच्योर एजिंग को कहते हैं. यह सूरज की हानिकारक किरणों से होती है. ये किरणें न सिर्फ त्वचा की रंगत को बिगाड़ती हैं बल्कि त्वचा पर झुर्रियां भी देती हैं. यहां तक कि पिंपल्स जैसी समस्याएं भी सकती हैं.

पीरियड्स में करें ये 3 योगासन, दूर हो जाएगा पेट दर्द और ऐंठन से मिलेगा छुटकारा, मूड भी होगा फ्रेश

कुछ महिलाओं में यह पीरियड्स के शुरू होने से पहले भी हो सकता है. जिसे पीएमएस कहते हैं. यह दर्द 48 से 72 घंटों तक रह सकता है. हालांकि, कुछ महिलाओं को इस समय से ज्यादा भी इस दर्द को झेलना पड़ सकता है. इस बात की सभी महिलाओं को काफी गलतफहमियां रहती हैं, कि पीरियड्स के दिनों में योग करना चाहिए या फिर नहीं.

महिलाओं को हर महीने पीरियड्स होते हैं. इस दौरान असहनीय कमर दर्द और क्रैम्प उन्हें बेहाल कर देता है. जब पीरियड्स में ब्लीडिंग शुरू होती है, तो उसके साथ दर्द भी शुरू हो जाता है. लेकिन कुछ महिलाओं में यह पीरियड्स के शुरू होने से पहले भी हो सकता है. जिसे पीएमएस कहते हैं. यह दर्द 48 से 72 घंटों तक रह सकता है. हालांकि, कुछ महिलाओं को इस समय से ज्यादा भी इस दर्द को झेलना पड़ सकता है. इस बात की सभी महिलाओं को काफी गलतफहमियां रहती हैं, कि पीरियड्स के दिनों में योग करना चाहिए या फिर नहीं.

सभी महिलाएं पीरियड्स से पहले और बाद में योग करके इस तकलीफ को दूर कर सकते है. महिलाओं को इन दिनों सिर दर्द, उल्टी, चक्कर आदि समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है. कुछ महिलाएं इन परेशानियों से बचने के लिए गर्म पानी की सिंकाई करती हैं, लेकिन यह टेंपररी समाधान है. इस परेशानी में दवा से भी तत्काल राहत मिलती है लेकिन इससे भी पूरी तरह पीरियड्स पैन या क्रैंप से छुटकारा नहीं मिलता. वहीं प्रतिदिन कुछ योग आसन करने से पीरियड्स के दिनों में आप दर्द से छुटकारा पा सकते हैं.

लोकल 18 के साथ हुई बातचीत के दौरान योगिनी रश्मि बताती हैं कि पीरियड्स के दर्द से छुटकारा पाने के लिए योग काफी लाभदायक साबित होता है. योग ऐसा साधन है जिससे आपका तन और मन मजबूत बनाता है और इससे पीरियड्स के दर्द और पीरियड्स क्रैंप से छुटकारा मिल सकता है. ये हमें मानसिक रूप से मजबूत बनाता है और हमारे मूड को भी बूस्ट करता है. प्रतिदिन इन 3 योग आसान को करने से आप पीरियड्स के दर्द से छुटकारा पा सकते हैं.

बटरफ्लाई पोज

बटरफ्लाई पोज को तितली आसन भी कहते हैं, पीरियड्स के दर्द को दूर करने में यह योगासन फायदेमंद साबित होता है. तितली आसन करने के लिए अपने दोनों पैरों को सामने की ओर सीधा कर के बैठ जाएं, रीढ़ की हड्डी सीधी रखें. अब पैरों को मोड़कर हाथों की अंगुलियों को पैरों के पंजों के ऊपर लाकर आपस में मिला दें. इस दौरान आपकी एडियां शरीर से सटी हुई होनी चाहिए. सामान्य रूप से सांस लेते हुए दोनों पैरों को एक साथ ऊपर ले जाएं और फिर नीचे लाएं. आपको ऐसा 15 से 20 बार करना है.

पवनमुक्तासन

ये आसन पीरियड्स के दर्द और मानसिक तनाव को दूर करने का रामबाण हैं. इस आसन से शरीर की थकान भी दूर होती है. सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएँ और पैरों को एकसाथ सीधा कर लें। अब अपने दाएं घुटने को अपनी छाती के पास ले कर आएं. जांघ को पेट तक लाकर अच्छे से दबाएं. अब अपनी दाढ़ी को दाएं घुटने से लगाएं. जब गहरी सांस लें तो घुटने को हाथों से अच्छे से पकड़ लें. घुटने को हाथ से अच्छे से पकड़ने पर छाती पर हल्का सा दबाव महसूस होगा, जो कि सामान्य है. अब सांस छोड़ते हुए घुटने को ढीला कर दें. अब पूरी प्रक्रिया को इस तरह से बाएं पैर के साथ करें. दोनों पैरों से एक-एक बार करने के बाद दोनों पैरों के साथ करें.

सुप्त भद्रकोण आसन

सुप्त भद्रकोण आसन को करने के लिए आप किसी तकिए या फिर किसी और चीज का सहारा ले सकते हैं. इसे करने के लिए आपको सबसे पहले पीठ के बल जमीन पर लेटना है. उसके बाद अपने घुटनों को मोड़कर अपने दोनों पैरों के तलवों को मिला लें. उसके बाद अपने ऊपरी भाग को पीछे की ओर स्ट्रेच करें और पिछे रखें तकिए के उपर अपनी ऊपर के शरीर को स्ट्रेच करें.

क्या दूध के साथ आयरन की गोली लेना सेहत के लिए खतरनाक? यह भ्रम या सच्चाई, डॉक्टर से जान लें हकीकत

Iron Tablet And Milk Gap: डॉक्टर प्रेग्नेंट महिलाओं और अन्य लोगों को आयरन की कमी पूरा करने के लिए आयरन की गोलियां लेने की सलाह देते हैं. अधिकतर लोग आयरन की गोलियां लेते समय कई जरूरी बातों का ध्यान नहीं देते हैं, जिसकी वजह से उन्हें फायदा नहीं होता है. आज डॉक्टर से जानेंगे कि आयरन की गोलियां किस तरह खानी चाहिए.

आयरन हमारे शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्व होता है और इसकी कमी होने से कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है. आयरन की कमी होने पर डॉक्टर लोगों को इसकी गोलियां देते हैं, ताकि जल्द से जल्द शरीर में इसकी कमी को पूरा किया जा सके. आमतौर पर गर्भवती महिलाओं, छोटे बच्चों और कुछ मेडिकल कंडीशन से जूझ रहे लोगों को भी आयरन की गोलियां खाने की सलाह दी जाती है. हालांकि कुछ लोग आयरन की गोलियों को दूध के साथ लेने लगते हैं. अब सवाल है कि क्या आयरन की गोलियों को दूध के साथ लेना नुकसानदायक होता है? आखिर इन गोलियों को कब और किस तरह खाना चाहिए? चलिए इस बारे में डॉक्टर से हकीकत जान लेते हैं. नई दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल के प्रीवेंटिव हेल्थ एंड वेलनेस डिपार्टमेंट की डायरेक्टर डॉ. सोनिया रावत के मुताबिक दूध के साथ आयरन की गोलियों को नहीं खाना चाहिए. ऐसा करने से शरीर में उनका अब्जॉर्प्शन नहीं होता है और गोलियां खाने का कोई फायदा नहीं होता है. आयरन की टेबलेट को चाय या कॉफी के साथ भी नहीं लेना चाहिए. ऐसा करने से लोगों को किसी तरह का फायदा नहीं होगा. दूध के साथ आयरन की गोली लेने का कोई गंभीर खतरा तो नहीं है, लेकिन इससे दवा बेअसर हो जाती है और शरीर को कोई फायदा नहीं मिलता है.खासतौर से प्रेग्नेंट महिलाओं को इस तरह की गलती नहीं करनी चाहिए, वरना गर्भ में पल रहे बच्चे को पर्याप्त मात्रा में आयरन नहीं मिल पाएगा. इससे गर्भवती महिला और गर्भ में पल रहे बच्चे का स्वास्थ्य प्रभावित होगा.

सर्दियों में क्यों बढ़ जाता है घुटनों का दर्द? जानें वजह

सर्दियों में क्यों बढ़ जाता है घुटनों का दर्द? जानें वजहआगे देखें...

कैसे लेनी चाहिए आयरन की गोलियां?

डॉ. सोनिया रावत रहती हैं कि आयरन की गोलियों को हमेशा पानी या विटामिन सी से भरपूर जूस के साथ लेना चाहिए. आप ऑरेंज जूस के साथ आयरन की टैबलेट्स लेंगे तो सबसे ज्यादा फायदा होगा. इसके अलावा आयरन की टेबलेट लेने के 2 घंटे बाद ही दूध पीना चाहिए. आयरन की गोली और खाने में भी 2 घंटे का गैप रखना चाहिए. अगर आपने खाना खा लिया है तो कम से कम 2 घंटे बाद आयरन की दवा लें. इस दवा की डोज और दवा लेने का समय आप अपने डॉक्टर से पूछ सकते हैं. खुद से दवा की डोज में कोई बदलाव न करें.

केले के साथ आयरन टेबलेट लेना सेफ

डॉक्टर की मानें तो कई बार आयरन की दवा लेने के बाद प्रेग्नेंट महिलाओं को उल्टी की शिकायत होने लगती है. ऐसे में अगर आप इस दवा को केले के साथ लेंगे, तो इससे किसी भी तरह के साइड इफेक्ट नजर नहीं आएंगे और उल्टी से भी काफी हद तक राहत मिल जाएगी. इसके अलावा एक और जरूरी बात यह है कि लोगों को आयरन और कैल्शियम की दवा एक साथ नहीं लेनी चाहिए और इनमें भी कुछ घंटे का अंतर रखना चाहिए. एक साथ ये दवाएं लेने से शरीर को नुकसान हो सकता है. ऐसे में सावधानी बरतें.

दिल्ली में सीजन का सबसे ठंडा दिन रहा शुक्रवार, तीन दिन के लिए कोहरे को लेकर येलो अलर्ट

परिवहन विशेष न्यूज

पश्चमी विक्षोभ सक्रिय होने के बाद दिल्ली में पिछले चार दिन से छाए अति घने कोहरे की चादर पतली हो गई। इससे दृश्यता के स्तर में भी सुधार हुआ है। फिर भी आईजीआई एयरपोर्ट के पास सुबह में साढ़े तीन घंटे घना कोहरा रहा। शुक्रवार का दिन इस सीजन में सबसे ठंडा दिन रहा। मौसम विभाग ने अगले तीन दिन के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

नई दिल्ली। पश्चमी विक्षोभ सक्रिय होने के बाद दिल्ली में पिछले चार दिन से छाए अति घने कोहरे की चादर पतली हो गई। इससे दृश्यता के स्तर में भी सुधार हुआ है। फिर भी आईजीआई एयरपोर्ट के पास सुबह में साढ़े तीन घंटे घना कोहरा रहा। इस दौरान दृश्यता 150 मीटर रही। इससे उड़ानें प्रभावित हुईं।

पश्चिमी विक्षोभ के कारण सुबह में न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी हुई। इससे न्यूनतम तापमान सामान्य से चार डिग्री सेल्सियस अधिक पहुंच गया, लेकिन दिन के तापमान में गिरावट होने से ठंड बढ़ गई है। इस वजह से शुक्रवार का दिन इस सीजन में सबसे ठंडा दिन रहा। मौसम विभाग ने अगले तीन दिन के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इस वजह से नए वर्ष का आगाज मध्यम से घने स्तर के कोहरे और कड़ाके की ठंड के बीच होगी।

मौसम विभाग के अनुसार पहाड़ों पर हुई बर्फबारी व पश्चिमी विक्षोभ का असर अगले कुछ दिनों में ज्यादा दिखेगा। इस वजह से तापमान में गिरावट होगा और पांच से 11 जनवरी के बीच दिल्ली के कई इलाकों में शीत लहर चल सकती है। मौसम विभाग के अनुसार आईजीआई एयरपोर्ट पर सुबह साढ़े पांच बजे से नौ बजे तक दृश्यता 150 मीटर रही। इस दौरान एयरपोर्ट के सभी रनवे पर रनवे विजुअल रेंज (400 से 800 मीटर) रही। इसके बाद कोहरा कम हो गया।

30 दिसंबर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी

इसका कारण यह है कि पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से अधिकांश कोहरा कम बादलों में तब्दील हो गया। साथ ही कोहरे की चादर सतह से अधिक ऊपर रही। इस वजह से सुबह नौ बजे के बाद दृश्यता में सुधार होता चला गया और दो बजे पालम एयरपोर्ट पर दृश्यता एक हजार मीटर से अधिक हो गई। सफदरजंग में न्यूनतम दृश्यता 300 मीटर रही। मौसम विभाग ने 29 दिसंबर के लिए पहले रेड अलर्ट, 30 दिसंबर के लिए आरेंज अलर्ट जारी किया था लेकिन कोहरे के स्तर में सुधार होने से अलर्ट के रंग बदलकर येलो हो गया।

सुबह ठंड रही थोड़ी राहत, दिन में बढ़ी ठंड

दिल्ली में पिछले 23 दिनों से न्यूनतम तापमान दस डिग्री सेल्सियस से कम बना हुआ था। एक दिन पहले भी न्यूनतम तापमान 8.4 डिग्री सेल्सियस था लेकिन आकाश में बादल होने के कारण सुबह में न्यूनतम बढ़कर 10.7 डिग्री सेल्सियस हो गया जो सामान्य से चार डिग्री सेल्सियस अधिक है। अधिकतम तापमान 19.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जो सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस कम है।

मुंगेशपुर में ठंड सबसे ज्यादा रही

इस सीजन में पहली बार दिल्ली का औसत अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे आया गया। मुंगेशपुर में ठंड सबसे ज्यादा रही। वहां अधिकतम तापमान 14.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जाफरपुर में भी अधिकतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस रहा। एक जनवरी तक पश्चिमी विक्षोभ का असर रहेगा। उस दिन अधिकतम तापमान घटकर 18 व न्यूनतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस पर पहुंच सकता है।

नए वर्ष के दूसरे सप्ताह भी चलेगी शीत लहर

दो फरवरी को पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म होगा। इसके बाद ठंड ज्यादा बढ़ेगी। मौसम विभाग के क्षेत्रीय निदेशक कुलदीप श्रीवास्तव ने बताया कि एक जनवरी से दस जनवरी के बीच ठंड अधिक होती है। इस दौरान ही शीत लहर अधिक चलती है। इस बार उम्मीद है कि नए वर्ष के दूसरे सप्ताह में शीत लहर चलेगी।

दिसंबर में एक दिन भी नहीं चली शीत लहर

इस बार दिसंबर में एक दिन भी शीत लहर नहीं चली। एक भी दिन कोल्ड डे भी नहीं रहा। पिछले दिन भी एक भी दिन शीत लहर नहीं चली थी लेकिन दो दिन कोल्ड डे रहा था। वर्ष 2021 में दिसंबर में चार दिन शीत लहर चली थी। इसके अलावा वर्ष 2020 में सात दिन और वर्ष 2019 में तीन दिन शीत लहर चली थी। वर्ष 18 दिन कोल्ड डे भी रहा था। इस वर्ष आखिरी के दो दिन भी ऐसी स्थिति रहने की संभावना नहीं है।

दिल्ली में अब मॉब लिंचिंग पीड़ितों को भी मिलेगी सहायता राशि, LG सक्सेना ने मुआवजा योजना में संशोधन को दी मंजूरी

दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली पीड़ित मुआवजा योजना 2018 में संशोधन को मंजूरी दी है। अब भीड़ द्वारा की गई हत्या के बाद पीड़ित के परिजनों को मुआवजा दिया जा सकेगा। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में राज्य सरकारों से कहा था कि वह एक महीने में इस तरह की योजना तैयार करे। पांच साल बाद इसे मंजूरी दी गई है।

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली पीड़ित मुआवजा योजना 2018 में संशोधन को मंजूरी दी है। अब भीड़ द्वारा की गई हत्या के बाद पीड़ित के परिजनों को मुआवजा दिया जा सकेगा। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में राज्य सरकारों से कहा था कि वह एक महीने में इस तरह की योजना तैयार करे। लेकिन दिल्ली सरकार ने करीब पांच साल की देरी के बाद इस प्रस्ताव को एलजी को सौंपी। संशोधित योजना के मुताबिक, इसमें पीड़ित की परिभाषा में बदलाव किया गया है। अब मॉब लिंचिंग के पीड़ित व्यक्ति, उसके परिजन अथवा उसके किसी उत्तराधिकार को इसमें शामिल किया गया है। इस संशोधन में अब घटना के 30 दिन के भीतर पीड़ित के परिजनों को मुआवजे की राशि देने की बात कही गई है।

2018 में कोर्ट ने योजना तैयार करने को कहा था

बता दें, 17 जुलाई 2018 को सुप्रीम कोर्ट ने तहसीन पूनावाला बनाम भारत सरकार के मामले में राज्य सरकारों को निर्देश दिया था कि वह भीड़ द्वारा की गई हत्या के पीड़ित के परिजनों को मुआवजा देने की योजना तैयार करें। इसे सीआरपीसी की धारा 357ए के प्रावधानों के तहत बनाई जानी चाहिए। इसे बनाने से पहले सरकार शारीरिक चोट, मानसिक पीड़ा और नौकरी के नुकसान को ध्यान में रखे।

DU ने इम्प्रूवमेंट पेपर की तिथि बदली, कई छात्र परीक्षा से चूके; लगा रहे कॉलेज और यूनिवर्सिटी के चक्कर

दिल्ली विश्वविद्यालय में इम्प्रूवमेंट के लिए हुई परीक्षा की तिथि में बदलाव का पता न चलने के कारण कई छात्र परीक्षा से चूक गए। छात्रों ने आरोप लगाया है कि डीयू प्रशासन की ओर से उचित अधिसूचना जारी नहीं की गई। वेबसाइट पर सात दिन पहले अपडेट कर दिया गया। छात्र पुरानी डेटशीट के हिसाब से तैयारी में लगे थे।

दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में इम्प्रूवमेंट के लिए हुई परीक्षा की तिथि में बदलाव का पता न चलने के कारण कई छात्र परीक्षा से चूक गए। छात्रों ने आरोप लगाया है कि डीयू प्रशासन की ओर से उचित अधिसूचना जारी नहीं की गई। वेबसाइट पर सात दिन पहले अपडेट कर दिया गया। छात्र पुरानी डेटशीट के हिसाब से तैयारी में लगे थे। ऐसे में परीक्षा एक दिन पूर्व होने के चलते वे परीक्षा नहीं दे पाए।

डीयू में उन छात्रों के लिए परीक्षा आयोजित की जाती है, जो छात्र किन्हीं कारणों से परीक्षा से वंचित रह जाते हैं, जिन छात्रों के कम नंबर आते हैं और उन्हें डीयू परीक्षा देने के लिए कहता है और कुछ छात्र अपनी मर्जी से परीक्षा देते हैं। हर कॉलेज में ऐसे कई छात्र होते हैं। इस वर्ष 22 दिसंबर को इम्प्रूवमेंट के पेपर की परीक्षा निर्धारित थी। लेकिन, विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा से कुछ दिन पूर्व तिथि बदलकर 21 दिसंबर कर दी गई। छात्र अपने वर्तमान सेमेस्टर परीक्षा की तैयारी में लगे थे। जब वे परीक्षा देने पहुंचे तो पता चला कि पेपर एक दिन पूर्व ही हो गया है।

छात्र तीसरे सेमेस्टर की इम्प्रवूमेंट परीक्षा देने से चूके

अब छात्र कॉलेज और डीयू के चक्कर लगा रहे हैं। सेंट स्टीफेंस कॉलेज के एक छात्र ने कहा- पांचवें सेमेस्टर के बहुत से छात्र तीसरे सेमेस्टर की इम्प्रवूमेंट परीक्षा देने से चूक गए हैं। हमारे कॉलेज में 10 से अधिक छात्र ऐसे हैं। जाकिर हुसैन कॉलेज में भी छात्रों ने ऐसी शिकायत की है। छात्र ने कहा- डीयू एक केंद्रीय विश्वविद्यालय है, उसके बाद अधिसूचना भेजने की आधुनिक व्यवस्था नहीं की जा सकी है। हर वक्त छात्र डीयू की वेबसाइट नहीं देख सकता। परीक्षा की तिथि बदलती है तो हमेशा आगे ही बढ़ती है, डीयू ने एक दिन पहले ही परीक्षा करा दी। अगर इसे बाद में कराते तो छात्र जरूर देख लेते।

छात्रों के लिए जारी की गई थी विशेष अधिसूचना

इसके लिए विशेष अधिसूचना जारी की जानी चाहिए थी, जिससे छात्रों को पता चल सके। उनके मोबाइल पर कोई जानकारी आ जाए।

गणतंत्र दिवस परेड से दिल्ली की झांकी फिर बाहर...

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

नई दिल्ली। इस बार भी दिल्ली की झांकी गणतंत्र दिवस परेड से नदारद रहेगी। दिल्ली सरकार दिल्ली की कथित विश्वविख्यात शिक्षा और स्वास्थ्य मॉडल पर झांकी को परेड में दिखाना चाहते थे। इस बात को लेकर आम आदमी पार्टी प्रवक्ता प्रियंका कक्कड ने प्रेस वार्ता कर खुलासा किया। प्रियंका कक्कड ने केन्द्र की भाजपा सरकार को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है। उन्होने कहा कि पांच साल से यूपी, असम, गुजरात, उत्तराखंड और हरियाणा को लगातार मौका दिया जा रहा है। लेकिन दिल्ली और पंजाब राज्य के साथ सौतेला व्यवहार कर बाहर रखने की साजिश की जा रही है। वहीं सौरभ भारद्वाज ने कहा कि 26 जनवरी एक राष्ट्रीय पर्व है। इस पर सबका अधिकार है। गजब है कि देश की राजधानी दिल्ली जिसको प्राथमिकता के तहत गणतंत्र परेड में शामिल होना नाज की बात की जगह बाहर किया जा रहा है। इससे दिल्ली वासियों को बेहद दुख है।

साउथ एक्सटेंशन पार्ट दो के पुलिस बूथ के बाहर पुलिसकर्मी ने मौके से भागकर अपने जान बचाई

दिल्ली पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल की बुरी तरह पिटाई, गाड़ी का कागज मांगने पर चार लोगों ने पीटा

दिल्ली में गाड़ी का दस्तावेज मांगने पर एक परिवार के कई लोगों ने साउथ एक्सटेंशन पार्ट दो के पुलिस बूथ के बाहर एक हेड कॉन्स्टेबल की बुरे तरीके से पिटाई कर दी। इसमें उनका माथा फट गया। जैसे तैसे करके पुलिसकर्मी वहां से भागकर ने अपनी जान बचाई। उन्हें एम्स के ट्रामा में भर्ती कराया गया। पुलिसकर्मी मुकेश ने छायांक को मौके पर ही पकड़ लिया।

दक्षिणी दिल्ली। बुलेट बाइक के दस्तावेज मांगने पर एक परिवार के कई लोगों ने शुक्रवार को साउथ एक्सटेंशन पार्ट दो के पुलिस बूथ के बाहर एक हेड कॉन्स्टेबल की बुरे तरीके से पिटाई कर दी। पुलिसकर्मी ने मौके से भागकर अपने जान बचाई।

उन्हें एम्स के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। इस संबंध में हौज खास थाना पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस उपायुक्त चंदन चौधरी ने बताया कि हैड कॉन्स्टेबल कुलदीप और मुकेश नए साल के जश्न के मद्देनजर विशेष अभियान ड्यूटी पर थे। वह साउथ एक्सटेंशन पार्ट-2 बाजार में सादे कपड़ों में गश्त कर रहे थे।

बिना हेलमेट लगाए आया युवक

इसी बीच एक युवक बिना हेलमेट लगाए गलत तरीके से बुलेट बाइक चलाते हुए आया। उसकी बुलेट के साइलेंसर से भी तेज आवाज आ रही थी। पुलिसकर्मी कुलदीप और मुकेश ने उसे रोक लिया और उससे ड्राइविंग लाइसेंस व आरसी दिखाने के लिए कहा। उसने कोई भी दस्तावेज दिखाने से इनकार कर दिया।

फिर पुलिस वाले उसे साउथ एक्सटेंशन पार्ट दो स्थित पुलिस बूथ पर ले गए। उसकी पहचान छायांक निवासी टाइप-दो, टावर-8, ईस्ट किदवई नगर के रूप में हुई। इसी बीच छायांक ने अपने भाई तनिष्क कुमार उर्फ टुकटुक को फोन किया। कुछ देर बाद तनिष्क कुमार उसका पिता अनिल कुमार और चचेरा भाई बादल चौधरी पुलिस बूथ पर पहुंचे।

हेड कॉन्स्टेबल एम्स के ट्रामा सेंटर में भर्ती

आरोप है कि चारों ने बूथ के बाहर कुलदीप की लात-घूंसों से पिटाई शुरू कर दी। इसमें उनका माथा फट गया। जैसे तैसे करके पुलिसकर्मी वहां से भागकर ने अपनी जान बचाई। उन्हें एम्स के ट्रामा में भर्ती कराया गया। पुलिसकर्मी मुकेश ने छायांक को मौके पर ही पकड़ लिया।

लड़की के चक्कर में युवक को चाकू घोंपकर मार डाला, एक ही युवती से दोनों करते थे बात

पूछताछ में अरमान ने बताया कि उसकी और माहिर की दोस्ती एक युवती से थी। एक सप्ताह पहले माहिर उस युवती के घर पर उससे मिलने के लिए गया था उसी दौरान वह उस युवती से इंस्टाग्राम पर वीडियो कॉल पर बात कर रहा था। अरमान को डर था कि अगर वह माहिर से बात करती रही तो उससे दोस्ती तोड़ देगी।

पूर्वी दिल्ली। *गोकलपुरी स्थित भागीरथी विहार में बीच सड़क 50 से अधिक वार कर की गई माहिर नाम के युवक की हत्या की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। एक युवती से दोस्ती बनाएं रखने के चक्कर में युवक की हत्या की गई थी।*

मामले में तीन आरोपित गिरफ्तार : *पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान भागीरथी विहार निवासी मुख्य आरोपित अरमान खान, फैसल खान और समीर उर्फ बालू के रूप में हुई है। जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. जाय टिर्की ने बताया कि माहिर अपने परिवार के साथ गाजियाबाद के विजय विहार में रहते थे।*

वह पहाड़गंज में फ्लेक्स बोर्ड की फैक्ट्री में नौकरी करते थे। बुधवार रात नौ बजे पुलिस को सूचना मिली थी कि भागीरथी विहार के लाखन चौक पर एक युवक का शव खून से लथपड़ हालत में पड़ा हुआ था। पास ही एक चाकू भी पड़ा हुआ था। शरीर पर जगह-जगह चाकू के निशान थे।

एक ही युवती से दोनों की थी दोस्ती : *गोकलपुरी थाना पुलिस ने हत्या की धारा में प्राथमिकी की। थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार और इंस्पेक्टर विनोद अहलावत व अन्य की टीम बनाई गई। पुलिस ने आरोपितों की पहचान कर उन्हें भागीरथी विहार से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को पूछताछ में अरमान ने बताया कि उसकी और माहिर की दोस्ती एक युवती से थी।*

एक सप्ताह पहले माहिर उस युवती के घर पर उससे मिलने के लिए गया था, उसी दौरान वह उस युवती से इंस्टाग्राम पर वीडियो कॉल पर बात कर रहा था। यह देखकर माहिर भड़क गया और उसने अरमान को गालियां देनी शुरू कर दी। उस दौरान मामला शांत हो गया था। बाद में अरमान ने उस युवती से उसका मोबाइल छीन लिया था, ताकि वह माहिर से बात न कर सके।

उसे डर था कि अगर वह माहिर से बात करती रही तो उससे दोस्ती तोड़ देगी। उस मोबाइल को वापस देने के लिए उसने फोन करके माहिर को भागीरथी विहार मिलने के लिए बुलाया। दोनों के बीच कहासुनी हुई और उसने अपने दोस्तों के साथ मिलकर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर माहिर की हत्या कर दी।

संजय सिंह ने दिल्ली के तिहाड़ जेल में रखा व्रत, AAP सांसद ने लोगों को दिया ये संदेश

राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने जेल के अंदर भारत माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शुक्रवार को उपवास रखा। उन्होंने जेल से भारत माता की रक्षा के लिए एकजुट रहने का संदेश दिया। संजय सिंह के संदेश के बाद पूरे उत्तर प्रदेश के अंदर हर शुक्रवार को सभी जिलों में भारत माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर आप कार्यकर्ता उपवास करेंगे। यह उपवास भारत माता रक्षा संकल्प व्रत है।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने जेल के अंदर भारत माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शुक्रवार को उपवास रखा। आप नेता ने जेल से भारत माता की रक्षा के लिए एकजुट रहने का संदेश दिया। आप सांसद के आह्वान पर आज उनके घर, पार्टी कार्यालयों और देश में जो लोग संजय सिंह के भारत माता रक्षा संकल्प मुहिम में साथ हैं, उन्होंने भारत माता को माल्यार्पण कर प्रार्थना सभा का आयोजन किया।

हर शुक्रवार को AAP कार्यकर्ता भी रखेंगे उपवास

आम आदमी पार्टी ने कहा है कि सिंह के संदेश के बाद पूरे उत्तर प्रदेश के अंदर हर शुक्रवार को सभी जिलों में भारत माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर आप कार्यकर्ता उपवास करेंगे। यह उपवास भारत माता रक्षा संकल्प व्रत है। संजय सिंह ने अपने संदेश में कहा है कि भारत माता के करोड़ों बेटे-बेटिया बेरोजगारी के दल-दल में फंसे हुए है। प्रत्येक वर्ष दो करोड़ रोजगार देने का वादा करके सरकार ने युवाओं को धोखा दिया।

आम आदमी पार्टी ने केंद्र पर बोला

आइए हम सब व्रत रख कर युवाओं के रोजगार की आवाज मजबूत करने का संकल्प लें। आप ने कहा है कि अग्निवीर योजना लाकर भारत माता की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया गया। देश की वीर सेना को कमज़ोर किया गया, रक्षा बजट का 65000 करोड़ खर्च नही किया गया। आप ने कार्यकर्ताओं से कहा है कि व्रत रख कर हम पहले की तरह सेना की भर्ती बहाल करने का राष्ट्र के लिए युवाओं के बलिदान की भावना को मजबूत करने का संकल्प लें।

अली सिद्दीकी ने मोनू यादव बनकर नाबालिग लड़की से की दोस्ती, फिर किशोरी के साथ किया...

25 नवबर को एक पिता ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि लालकुआं के पास की कॉलोनी का रहने वाला युवक मोनू यादव उनकी नाबालिग पुत्री को बहलाकर ले गया है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरु की और किशोरी की तलाश तेज की तो आरोपित संजय नगर में किशोरी को कार से उतारकर फरार हो गया। आरोपित अली सिद्दीकी ने मोनू यादव बनकर किशोरी से दोस्ती की थी।

गाजियाबाद। धर्मछिपाकर किशोरी को बहलाकर ले जाने और दुष्कर्म के आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपित ने सोशल मीडिया पर किशोरी से दोस्ती की थी। इसके बाद उसे शादी करने के बहाने से ले गया।

दोस्ती करके किशोरी को साथ ले गया

पुलिस ने किशोरी को बरामद किया तो पीड़िता ने बताया कि उसके साथ दुष्कर्म किया गया है। पुलिस ने आरोपित पर दुष्कर्म की धारा और पॉक्सो एक्ट की धारा बढ़ा दी है। कविनगर थाने में 25 नवबर को एक पिता ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि लालकुआं के पास की कॉलोनी का रहने वाला युवक मोनू यादव उनकी नाबालिग पुत्री को बहलाकर ले गया है।

पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरु की और किशोरी की तलाश तेज की तो आरोपित संजय नगर में किशोरी को कार से उतारकर फरार हो गया। पुलिस ने पकड़ने का प्रयास भी किया, लेकिन आरोपित चकमा देकर भाग गया। शुक्रवार को पुलिस ने आरोपित मोनू यादव को गिरफ्तार कर लिया। उससे पूछताछ में सामने आया कि उसका असली नाम अली सिद्दीकी है। आरोपित लालकुआं के पास स्थित सारे होम सोसायटी का रहने वाला है।

किशोरी शुरु में घर आने को तैयार नहीं थी

आरोपित से किशोरी की दोस्ती सोशल मीडिया पर हुई थी। किशोरी को आरोपित ने अपनी बातों में इतना फंसा लिया था कि उसके साथ जाने के बाद किशोरी घर लौटने को तैयार नहीं हुई। पुलिस पूछताछ में आरोपित ने बताया कि उसने अपना नाम अली सिद्दीकी ने मोनू यादव बनकर किशोरी से दोस्ती बढ़ाने के लिए किया था।

आरोपित युवक ने किशोरी को अपना धर्म छिपाकर दोस्ती की थी। इसके बाद आरोपित किशोरी को अपने साथ ले गया। किशोरी ने अपने बयान में बताया है कि उसके साथ दुष्कर्म भी किया गया। – **अभिषेक श्रीवास्तव, एसीपी कविनगर**

"हर सफर में सड़क सुरक्षा" स्लोगन के साथ सड़क सुरक्षा पखवाड़े का समापन

परिवहन विशेष न्यूज

अपनी यादों की गठरी खोलते हुए पवन जिंदल ने कहा कि जब यूपी में मुलायम सिंह यादव की सरकार थी उस समय आंदोलन के दौरान उन्हें बुलंदशहर में गिरफ्तार कर लिया गया था। चार दिन तक वह जेल में रहे। उनके जैसे हजारों कारसेवकों आंदोलनकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया था लेकिन मनोबल कमजोर नहीं हुआ। सभी के भीतर रामलला को उनकी जगह पर विराजमान करने की आग लगी थी।

गुरुग्राम। छह दिसंबर 1992 की रात का अद्भुत व अकल्पनीय दृश्य आज भी आंखों के सामने ऐसे है जैसे कल की बात हो। कारसेवकों में ऐसा जुनून था कि विवादित ढांचा गिरने के बाद कुछ ही देर में श्रीराम जन्मभूमि पर अस्थायी मंदिर का निर्माण कर दिया गया था।

कारसेवकों की आंखों से निकले खुशी के आंसू

रामलला जैसे ही विराजमान हुए, सभी कारसेवकों की आंखों से खुशी के आंसू निकल आए। काफी कारसेवक तो खुशी से रोने लगे थे। रोते-रोते कारसेवक रामलला की जय हो जय हो का उद्घोष करते रहे। ऐसा लग रहा था जैसे सैकड़ों वर्षों की गुलामी से मुक्ति मिल गई हो।

यह कहते-कहते राम मंदिर आंदोलन में विशेष भूमिका निभाने वाले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्कालीन विभाग कार्यवाह (पटियाला, पंजाब) व वर्तमान में हरियाणा के प्रांत संघचालक पवन जिंदल की आंखें भर आईं। जब विवादित ढांचा गिराया जा रहा था तो मौके पर संघ के कुछ प्रमुख पदाधिकारी पूरे देश से मौजूद थे। उनमें से एक पवन जिंदल भी थे।

पवन जिंदल ने खोली यादों की गठरी

अपनी यादों की गठरी खोलते हुए पवन जिंदल ने कहा कि जब उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह यादव की सरकार थी, उस समय आंदोलन के दौरान उन्हें बुलंदशहर में गिरफ्तार कर लिया गया था। चार दिन तक वह जेल में रहे। उनके जैसे हजारों कारसेवकों आंदोलनकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया था, लेकिन मनोबल कमजोर नहीं हुआ। सभी के भीतर रामलला को उनकी जगह पर विराजमान करने की आग लगी थी।

आंदोलन धीरे-धीरे तेज होता गया। 1992 के आंदोलन के दौरान वह एक दिसंबर को ही अयोध्या में पहुंच गए थे। छह दिसंबर को कारसेवकों ने विवादित ढांचा गिराने का मन पूरी तरह बना लिया था। गुंबद पर चढ़ना मुश्किल था। उसके ऊपर काई जमीन थी। इसके बाद काफी स्वयंसेवक ऊपर चढ़ गए थे।

10 हजार पाइप की हुई थी बैरिकेडिंग

विवादित ढांचा तक कोई जा नहीं सके, इसके लिए आसपास लगभग 10 हजार पाइप की बैरिकेडिंग की गई थी। 10 के 10 हजार पाइप कारसेवकों ने उखाड़ दिया था। पाइप उखाड़कर दीवार में चोट मारी गई। इससे पिलर गिरता चला गया। एक-एक घंटे के अंतराल पर तीनों गुंबद गिर गए थे।

गुंबदों के गिरने के दौरान कारसेवकों के शंखनाद से पूरा माहौल राममय हो गया था। सबसे बड़ी बात यह कि जो श्रीराम मंदिर की जो पुरानी दीवार थी, उसके आगे दीवार बनाकर ऊपर गुंबद बना दिए गए थे। जब दीवार गिरी तो मंदिर से संबंधित जो भी सामान होते हैं वे भी बाहर आ गए। काफी संख्या में मूर्तियां, घंटी, करताल आदि मौके पर मिले थे।

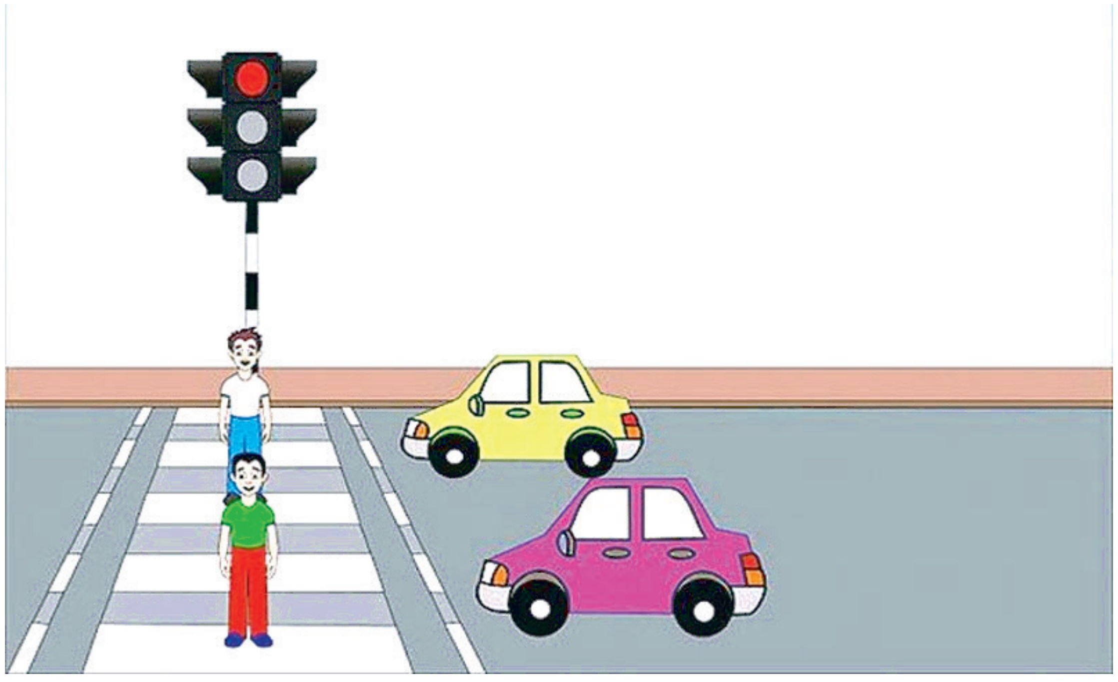

लगभग दो लाख कारसेवक पहुंचे थे अयोध्या

प्रांत संघचालक पवन जिंदल कहते हैं कि अयोध्या जी में कारसेवा करने के लिए लगभग दो लाख कारसेवक पहुंचे थे। विवादित ढांचा गिरने के बाद उनमें से लगभग 10 हजार रुक गए थे। बाकी को उनके घर भेज दिया गया था। 10 हजार कारसेवक 12 दिसंबर तक अयोध्या में ही रहे।

अस्थायी मंदिर का निर्माण तो रातों-रात कर दिया गया था। उसके बाद मंदिर की पूरी व्यवस्था करने में थोड़ा समय लगा था। विवादित ढांचा टूटने के साथ ही लग गया था अब जल्द ही श्रीराम का भव्य मंदिर बनेगा। 491 साल के संघर्ष के बाद रामलला फिर से अपनी जगह पर स्थायी रूप से विराजमान हो रहे हैं।

22 जनवरी को मनाएं दीपोत्सव

22 जनवरी का दिन राष्ट्र गौरव का दिन होगा। हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि श्रीराम मंदिर बनता देख रहे हैं। हजारों लोगों के बलिदान के बाद यह शुभ दिन आया है। सभी लोग 22 जनवरी को दीपोत्सव के रूप में मनाएं। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर इतनी खुशी हो रही है, जिसे शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता।

कारसेवक के रूप में भाग लेने से ऐसा महसूस होता है जैसे जीवन सफल हो गया। इतने वर्षों के बाद भी अचानक छह दिसंबर का दृश्य आंखों के सामने जैसे ही आता है, खुशी के आंसू निकल जाते हैं। पूर्व जन्म में कुछ न कुछ अच्छा किया था जो कारसेवक बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

स्पीकर विवेक बिंद्रा की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, पत्नी की पिटाई मामले में पुलिस कर सकती है पूछताछ

परिवहन विशेष न्यूज

मोटिवेशनल स्पीकर विवेक बिंद्रा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी है। माना जा रहा है कि जल्द विवेक बिंद्रा से भी पुलिस फिर पूछताछ कर सकती है। शुक्रवार को पुलिस ने विवेक बिंद्रा की सोसायटी में पहुंचे जांच अधिकारी ने सेक्टर-94 स्थित सुपरनोवा सोसायटी में पहुंचकर सिक्योरिटी गार्डों समेत अन्य लोगों से पूछताछ की।

नोएडा। पत्नी के साथ मारपीट करने के आरोप में फंसे मोटिवेशनल स्पीकर विवेक बिंद्रा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी है। विवेक बिंद्रा की सोसायटी में पहुंचे जांच अधिकारी ने सेक्टर-94 स्थित सुपरनोवा सोसायटी में पहुंचकर सिक्योरिटी गार्डों समेत अन्य लोगों से पूछताछ की।

विवेक बिंद्रा से पूछताछ कर सकती है पुलिस

घटना से संबंधित वीडियो की भी जांच शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि जल्द विवेक बिंद्रा से भी पुलिस फिर पूछताछ कर सकती है। कोतवाली सेक्टर-126 में गाजियाबाद के वैभव क्वात्रा ने विवेक बिंद्रा के खिलाफ 14 दिसंबर को मुकदमा दर्ज कराया था, उन्होंने बताया था कि उनकी बहन यानिका का विवाह 6 नवंबर 2023 को विवेक बिंद्रा के साथ हुआ था।

पत्नी की बेरहमी से पिटाई का आरोप

वह सेक्टर-94 स्थित सुपरनोवा वेस्ट रेजीडेंसी में रहते हैं। 7 दिसंबर की रात विवेक बिंद्रा अपनी मां से झगड़ा कर रहे थे। इसी बीच यानिका ने बीच-बचाव करने की कोशिश की तो यह बात उनके बहनोई विवेक बिंद्रा को नागवार गुजरी। आरोप है कि विवेक बिंद्रा ने अपनी पत्नी को कमरे में बंद करके बुरी तरह पीटा।

उनके शरीर पर गंभीर चोट आई हैं और अस्पताल में उपचार चल रहा है। एसीपी रजनीश वर्मा का कहना है कि विवेक बिंद्रा के खिलाफ दर्ज एफआईआर की जांच की जा रही है। पीड़िता की मेडिकल रिपोर्ट, वीडियो फुटेज और घटना से संबंधित लोगों के बयान लेकर जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है।

एपीजे सत्या यूनिवर्सिटी के डीन की संदिग्ध हाल में मौत, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चलेगी असली वजह

गुरुग्राम के सोहना–पलवल मार्ग पर स्थित एपीजे सत्या यूनिवर्सिटी के डीन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महाराष्ट्र के रहने वाले नितिन अंतिल की 11 दिसंबर को एपीजे सत्या यूनिवर्सिटी में डीन के पद पर नियुक्ति हुई थी। डीन नितिन अंतिल यूनिवर्सिटी के एक सहकर्मी के साथ बर्थडे पार्टी की शापिंग करने सोहना के एक मॉल गए थे।

सोहना। सोहना-पलवल मार्ग पर स्थित एपीजे सत्या यूनिवर्सिटी के डीन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और उनके शव का पोस्टमार्टम करा स्वजन को शव सौंप दिया। महाराष्ट्र के रहने वाले नितिन अंतिल की 11 दिसंबर को एपीजे सत्या यूनिवर्सिटी में डीन के पद पर नियुक्ति हुई थी। डीन नितिन अंतिल यूनिवर्सिटी के एक सहकर्मी के साथ बर्थडे पार्टी की शापिंग करने सोहना के एक मॉल गए थे। स्वजन सौरभ कुमार ने बताया कि नितिन का जन्म दिन था। यहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने नितिन के भाई के बयान पर शव को पोस्टमार्टम के बाद सौंप दिया।

प्रॉपर्टी टैक्स भुगतान पर सरकार दे रही भारी छूट, ब्याज माफी के लिए बचे मात्र इतने दिन

हरियाणा सरकार ने प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान करने वालों को पूरे ब्याज माफी तथा शेष बची राशि पर 15 प्रतिशत छूट देने की घोषणा की थी। अब इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए केवल तीन दिन शेष रह गए हैं। ऐसे में गुरुग्राम के तीनों कार्यालयों में स्थित नागरिक सुविधा केंद्रों पर शनिवार व रविवार को भी भुगतान काउंटर खुले रहेंगे।

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार की अधिसूचना अनुसार, नगर निगम गुरुग्राम क्षेत्र के प्रॉपर्टी मालिकों को दी जा रही ब्याज माफी तथा 15 प्रतिशत छूट का लाभ पाने के लिए केवल तीन दिन शेष रह गए हैं। नगर निगम गुरुग्राम के तीनों कार्यालयों में स्थित नागरिक सुविधा केंद्रों पर शनिवार व रविवार को भी भुगतान काउंटर खुले रहेंगे।

प्रॉपर्टी टैक्स पर ब्याज माफी

रविवार को रात 12 बजे तक भुगतान काउंटर खुले रखने के निर्देश दिए गए हैं। बता दें कि हरियाणा सरकार द्वारा 31 दिसंबर तक प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान करने वालों को पूरे ब्याज माफी तथा शेष बची राशि पर 15 प्रतिशत छूट देने की अधिसूचना जारी की गई थी। अब इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए केवल तीन दिन शेष रह गए हैं।

इसलिए नगर निगम गुरुग्राम द्वारा शनिवार व रविवार को भी भुगतान काउंटर खुले रखने का निर्णय लिया गया है ताकि, अधिक प्रॉपर्टी मालिक इस मौके का फायदा उठा सकें। प्रॉपर्टी टैक्स में ब्याज माफी व 15 प्रतिशत छूट का लाभ प्राप्त करने के लिए एनडीसी पोर्टल पर अपने प्रॉपर्टी डाटा को स्व-प्रमाणित करके संपूर्ण बकाया प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान करना अनिवार्य है।

500 डिफाल्टरों की सूची तैयार

नगर निगम गुरुग्राम द्वारा निर्णय लिया गया है कि जो बड़े प्रापर्टी टैक्स डिफाल्टर हैं, उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। इसके तहत प्रथम चरण में टाप-500 डिफाल्टरों की सूची तैयार करके उन पर कार्रवाई की तैयारी कर ली गई है। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा उनकी प्रापर्टी के सीवर पानी कनेक्शन काटने के साथ ही प्रापर्टी को सील करने व नीलाम करने की कार्रवाई भी की जा सकती है।

उत्तर प्रदेश में बढ़ता धार्मिक पर्यटन एवं उत्पादों का उपभोग भारत के आर्थिक विकास को दे रहा गति

प्रह्लाद सबनानी

उत्तर प्रदेश राज्य आज भारत का तीसरा सबसे बड़ा टेक्स्टायल उत्पादन करने वाला राज्य भी बन गया है। राष्ट्रीय उत्पादन में उत्तरप्रदेश राज्य का योगदान बढ़कर 13.24 प्रतिशत हो गया है। उत्तरप्रदेश राज्य में आज 250,000 लाख के आसपास हैंडलूम बुनकर एवं 421,000 पावरलूम बुनकर कार्य कर रहे हैं।

भारत के आर्थिक विकास की रफ्तार को गति देने में कुछ राज्यों का योगदान तेजी से बढ़ रहा है। हाल ही के समय में विशेष रूप से उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, तेलंगाना, गुजरात एवं राजस्थान जैसे राज्यों की आर्थिक विकास की गति तेज हुई है, जिससे यह राज्य भारतीय अर्थव्यवस्था के आकार को 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का बनाने में विशेष योगदान देते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि महाराष्ट्र, तमिलनाडु, एवं कर्नाटक जैसे कुछ अन्य राज्यों का योगदान भी नकारा नहीं जा सकता है, परंतु इन राज्यों के आर्थिक विकास की दर तुलनात्मक रूप से कुछ स्थिर सी रही है अथवा कुछ कम हुई है।

समस्त राज्यों के बीच तमिलनाडु एवं गुजरात राज्यों को पीछे धकेलते हुए उत्तरप्रदेश अब भारत की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला राज्य बन गया है। भारतीय अर्थव्यस्था में उत्तर प्रदेश का योगदान 9.2 प्रतिशत का हो गया है। भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार आज 3.7 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का हो गया है। इसमें महाराष्ट्र राज्य का हिस्सा 15.7 प्रतिशत है। उत्तरप्रदेश राज्य का हिस्सा 9.2 प्रतिशत, तमिलनाडु राज्य का 9.1 प्रतिशत, गुजरात राज्य का 8.2 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल राज्य का 7.5 प्रतिशत है। देश की अर्थव्यवस्था में उत्तर पूर्वी राज्यों एवं जम्मू कश्मीर के बाद बिहार का भी काफी कम योगदान अर्थात केवल 3.7 प्रतिशत दिखाई पड़ता है, जबकि बिहार की जनसंख्या 13 करोड़ के आसपास है। बिहार को आर्थिक विकास की दृष्टि से आज भी पिछड़ा राज्य कहा जा रहा है। पूर्व के बीमारु राज्यों की श्रेणी से उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान राज्य बाहर आ चुके हैं जबकि बिहार राज्य आज भी इसी श्रेणी में अटका हुआ है।

वित्तीय वर्ष 2021-22 में महाराष्ट्र राज्य की अर्थव्यवस्था का आकार 41,720 करोड़ अमेरिकी डॉलर था, तमिलनाडु राज्य का आकार 27,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर था, गुजरात राज्य का आकार 26540 करोड़ अमेरिकी डॉलर था, उत्तरप्रदेश राज्य का आकार 26,510 करोड़ अमेरिकी डॉलर था, कर्नाटक राज्य का आकार 26,350 करोड़ अमेरिकी डॉलर था और पश्चिम बंगाल राज्य का आकार 18,310 करोड़ अमेरिकी डॉलर था। पिछले कुछ वर्षों से चूंकि उत्तरप्रदेश राज्य की अर्थव्यवस्था की विकास दर सबसे तेज बनी हुई है अतः आज उत्तरप्रदेश राज्य की अर्थव्यवस्था का आकार भारत में दूसरे स्थान पर आ गया है। उत्तरप्रदेश ने अपने राज्य की अर्थव्यवस्था के आकार को वर्ष 2027 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। जबकि, महाराष्ट्र भी अपने राज्य को वर्ष 2028 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना चाहता है। इस दृष्टि से अब उत्तरप्रदेश एवं महाराष्ट्र राज्यों के बीच इस संदर्भ में आपस में प्रतियोगिता चल रही है। महाराष्ट्र राज्य की जनसंख्या 11 से 12 करोड़ के बीच है जबकि उत्तरप्रदेश राज्य की जनसंख्या 20 करोड़ के आसपास है। इस दृष्टि से उत्तरप्रदेश राज्य लाभप्रद स्थिति में दिखाई दे रहा है क्योंकि विभिन्न उत्पादों के उपभोग की अधिक गुंजाइश उत्तरप्रदेश राज्य में हैं एवं देश में आज उत्तरप्रदेश राज्य तेजी से विनिर्माण क्षेत्र का हब बनता जा रहा है तथा उत्तरप्रदेश राज्य में धार्मिक पर्यटन भी बहुत तेज गति से विकसित हो रहा है। विशेष रूप से अयोध्या, वाराणसी, मथुरा जैसे धार्मिक पर्यटन स्थलों का विकास न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्यटन को भी आकर्षित करता दिखाई दे रहा है। इससे उत्तरप्रदेश राज्य में रोजगार के नए अवसर भी भारी मात्रा में निर्मित हो रहे हैं। अतः उत्पादों के उपभोग के मामले में उत्तरप्रदेश राज्य के साथ किसी भी अन्य राज्य की प्रतियोगिता हो ही नहीं सकती हैं। आज उत्तरप्रदेश राज्य के नागरिक रोजगार हेतु अन्य राज्यों की ओर पलायन करते हुए नहीं दिखाई दे रहे हैं क्योंकि उत्तरप्रदेश राज्य में ही रोजगार के पर्याप्त नए अवसर निर्मित होने लगे हैं। उत्तरप्रदेश राज्य में आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज राज्य सरकार भी भारी मात्रा में पूंजी निवेश कर रही है।

निर्यात के क्षेत्र में भी उत्तरप्रदेश राज्य नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उत्तरप्रदेश राज्य के राज्य निर्यात प्रोत्साहन ब्यूरो के अनुसार वित्तीय वर्ष 2016-17 में उत्तरप्रदेश राज्य से 84,000 करोड़ रुपए की राशि का निर्यात किया गया था जो वित्तीय वर्ष 2022-23 में दुगना होकर 174,000 करोड़ रुपए का हो गया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए उत्तरप्रदेश राज्य ने 2 लाख करोड़ रुपए की राशि का निर्यात करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उत्तरप्रदेश राज्य से सबसे अधिक निर्यात किए जाने वाले उत्पादों में इलेक्ट्रिक एवं इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं, दूरसंचार उपकरण, कृत्रिम फाइबर, गेहूं, चावल, कपास, कालीन एवं हस्तशिल्प जैसे उत्पाद शामिल हैं।

दूसरे, उत्तरप्रदेश राज्य आज भारत का तीसरा सबसे बड़ा टेक्स्टायल उत्पादन करने वाला राज्य भी बन गया है। राष्ट्रीय उत्पादन में उत्तरप्रदेश राज्य का योगदान बढ़कर 13.24 प्रतिशत हो गया है। उत्तरप्रदेश राज्य में आज 250,000 लाख के आसपास हैंडलूम बुनकर एवं 421,000 पावरलूम बुनकर कार्य कर रहे हैं। चूंकि कपड़ा उद्योग कम पूंजी निवेश के साथ अधिक मानवीय आधारित उद्योग है, अतः इस क्षेत्र में रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। साथ ही, उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में रक्षा इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण कलस्टर एवं लखनऊ उन्नाव कानपुर क्षेत्र में मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण कलस्टर भी स्थापित किये जा रहे हैं। इन क्षेत्रों में विनिर्माण इकाईयां स्थापित करने हेतु राज्य सरकार द्वारा कई प्रकार के प्रोत्साहन भी दिए जा रहे हैं।

विभिन्न प्रदेशों की विधान सभाओं में प्रस्तुत किए गए वित्तीय वर्ष 2022-23 के आर्थिक सर्वेक्षणों में वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए इन प्रदेशों की अनुमानित आर्थिक प्रगति की दर को दर्शाया गया है। उत्तरप्रदेश में वित्तीय वर्ष 2022-23 में आर्थिक प्रगति की दर 16.8 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है, इसी प्रकार मध्यप्रदेश में 16.34 प्रतिशत, राजस्थान में 16.4 प्रतिशत, गुजरात में 15.5 प्रतिशत, तेलंगाना में 15.6 प्रतिशत, महाराष्ट्र में 6.8 प्रतिशत, तमिलनाडु में 8.19 प्रतिशत, बिहार में 9.7 प्रतिशत, कर्नाटक में 7.9 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। उत्तर प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2023-24 में 19 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

कुल मिलाकर भारत के समस्त प्रदेशों के बीच उत्तरप्रदेश राज्य आज आर्थिक विकास की दौड़ में सबसे आगे दिखाई दे रहा है। इसके साथ ही मध्यप्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना, गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक जैसे कुछ अन्य राज्य भी विकास की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इन राज्यों की आर्थिक नीतियां देशी एवं विदेशी निवेशकों को अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। इस प्रकार यह समस्त राज्य मिलकर भारतीय अर्थव्यवस्था के आकार को 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर ले जाने में अपनी पूरी शक्ति का उपयोग करते हुए दिखाई दे रहे हैं। यदि बिहार जैसे बड़े राज्य उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान एवं तेलंगाना की तर्ज पर एवं पंजाब, जम्मू कश्मीर एवं उत्तर पूर्वी राज्य जैसे अन्य छोटे राज्य भी अपने राज्यों में आर्थिक विकास की दर को बढ़ाने में सफल होते हैं तो शीघ्र ही भारत की आर्थिक विकास की दर को 10 प्रतिशत के पार पहुंचाया जा सकता है।

दिखने में लग्जरी और फीचर्स में शानदार ह्युंडई की ये शानदार कार, कीमत 10.96 लाख रुपये से शुरू

क्या आप भी अपने लिए एक नई कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं जो दिखने में भी लग्जरी होआज हम आपको इस खबर के माध्यम से एक ऐसी ही कार के बारे में बताने जा रहे हैं। चलिए देखते हैं इसमें क्या कुछ खास है। मौजूद लग्जरी और शानदार कार Hyundai Verna है। इस कार में आपको दो इंजन का ऑप्शन मिलता है।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में एक से बढ़कर एक दमदार कारें मौजूद है। हर कोई अपने लिए जब एक नई कार लेने जाता है तो सबसे पहले यहीं सोचता है कि हमारी कार ऐसी हो जब वो रोड़ पर चले तो लोग देखते ही रह जाएं। क्या आप भी अपने लिए एक नई कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं जो दिखने में भी लग्जरी हो और आपको बैठकर उसमें काफी प्रीमियम महसूस हो। आज हम आपको इस खबर के माध्यम से एक ऐसी ही कार के बारे में बताने जा रहे हैं। चलिए देखते हैं इसमें क्या कुछ खास है।

Hyundai Verna इंजन

हम बात भारतीय बाजार में मौजूद लग्जरी और शानदार कार Hyundai Verna की कर रहे हैं। इस कार में आपको दो इंजन का ऑप्शन मिलता है। एक 1.5 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड इंजन मिलता है। जो 115 बीएचपी की पावर और 144 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। ये इंजन मैनुअल और ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के ऑप्शन के साथ आती है। दूसरा इसमें 1.5 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन मिलता है। जो 160 बीएचपी की पावर और 253 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। यह इंजन केवल ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ आता है। ये कार माइलेज 20 से 24 किलोमीटर प्रति लीटर का देती है।

Hyundai Verna सेफ्टी फीचर्स

इस कार में सेफ्टी फीचर्स का भी खास ख्याल रखा गया है। 6 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल (ESC),एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (ABS) के साथ इलेक्ट्रॉनिक ब्रेक-फोर्स डिस्ट्रीब्यूशन (EBD),रिवर्स पार्किंग सेंसर,ऑटो हेडलैंप,आइसोफिक्स,टाइमर के साथ रियर डिफॉगर,इम्पैक्ट सेंसिंग डोर अनलॉक,हाइट एडजस्टमेंट ड्राइवर सीट मिलता है। इसके साथ ही इसमें हाई ट्रिम्स में हिल स्टार्ट असिस्ट कंट्रोल, व्हीकल स्टेबिलिटी कंट्रोल, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम, फ्रंट पार्किंग सेंसर, गाइडलाइन्स के साथ रियर पार्किंग कैमरा, टॉप वेरिएंट में एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंट सिस्टम (ADAS) भी मिलता है।

Hyundai Verna इंटीरियर

वहीं कार के इंटीरियर में 10.25 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और एक डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले के साथ एक डुअल स्क्रीन सेटअप भी मिलता है। इसमें आठ स्पीकर बोस साउंड सिस्टम, सिंगल-पैन सनरूफ, एयर प्यूरिफायर, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, इंफोटेनमेंट और एसी के लिए स्विचेबल कंट्रोल, 64 कलर एम्बिएंट लाइटिंग मिलती है।

Hyundai Verna कीमत

भारतीय बाजार में मौजूद इस कार की कीमत ₹10.96 लाख रुपये है जो ₹17.38 लाख एक्स-शोरूम तक जाती है। ये कार कुल 14 वेरिएंट में आती है।

आने वाले दिनों में लॉन्च होंगी ये शानदार बाइक्स, एप्रीला से लेकर यामाहा तक शामिल

2023 in India आने वाले दिनों में कई दमदार बाइक्स भी लॉन्च होने वाली है। इटली की वाहन निर्माता कंपनी Aprilia दिसंबर के महीने में अपनी दमदार बाइक को लॉन्च कर सकती है। इस मोटरसाइकिल को वाहन निर्माता कंपनी ने भारत में हुए Motogp के दौरान अनवील किया था। Kawasaki Eliminator 450 बाइक इस महीने के अंत में लॉन्च हो सकती है।

नई दिल्ली। Upcoming Bikes in December 2023 in India: भारतीय बाजार में टू-व्हीलर की डिमांड दिन पर दिन काफी तेजी से बढ़ते जा रही है। आपकी जानकारी के लिए बता दें, आने वाले दिनों में कई दमदार बाइक्स भी लॉन्च होने वाली है। अगर आप अपने लिए एक नई बाइक खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो ये खबर आपके काम आने वाली है। चलिए आपको इन बाइक्स के बारे में बताते हैं।

Aprilia RS 457

इटली की वाहन निर्माता कंपनी Aprilia दिसंबर के महीने में अपनी दमदार बाइक को लॉन्च कर सकती है। इस मोटरसाइकिल को वाहन निर्माता कंपनी ने भारत में हुए Motogp के दौरान अनवील किया था और अब ये इस महीने ही लॉन्च हो सकती है। इस बाइक में 457 सीसी का इंजन मिलता है। ये एक सुपर बाइक है। इसमें लिक्विड कूल्ड ट्विन सिलेंडर इंजन मिलेगा। जो 35 किलो वाट की पावर जनरेट करेगी।

Kawasaki Eliminator 450

ये बाइक इस महीने के अंत में लॉन्च हो सकती है। इस मोटरसाइकिल में 451 सीसी का इंजन मिलता है। वहीं इस बाइक को इस साल की शुरुआत में ही ग्लोबल स्तर पर लॉन्च किया गया था। अब ये भारत में भी लॉन्च हो सकती है। ये एक क्रूजर बाइक है। आपको बता दें, इसे कंपनी इंडिया बाइक वीक 2023 में लॉन्च कर सकती है।

Yamaha R3

Yamaha R3 एक दमदार और पॉपुलर बाइक में से एक है। इस बाइक को वाहन निर्माता कंपनी इसी साल लॉन्च कर सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये बाइक 15 दिसंबर को लॉन्च हो सकती है। इसमें 321 सीसी का पावरफुल ट्विन मोटर इंजन मिलता है।

Yamaha MT-03

यामाहा अपनी इस सीरीज को भारत में लॉन्च करेगी। इस बाइक को साल के अंत में लॉन्च किया जा सकता है। इस मोटरसाइकिल की शुरुआती कीमत 3 लाख रुपये के आस-पास हो सकती है। इस बाइक के फ्रंट और रियर में डिस्क ब्रेक मिलेगा। इसमें 14 लीटर का फ्यूल टैंक मिल सकता है। इस बाइक का वजन 169 किलोग्राम होगा।

महिंद्रा स्कॉरपियो-N के डीजल वेरिएंट में ऐसा क्या कुछ खास की बढ़ी सेल, कीमत 13.26 लाख रुपये से शुरू

Mahindra Scorpio N total sale November 2023 Mahindra Scorpio-N के डीजल वेरिएंट के फीचर्स और इंजन के बारे में बताने जा रहे हैं कि आखिर किन कारण से ये लोगों के बीच इतनी लोकप्रिय है। इस कार के माइलेज की बात करें तो इसके ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ पेट्रोल की माइलेज 10.14 किमी प्रति लीटर है जबकि डीजल वेरिएंट का माइलेज 12.73 किमी प्रति लीटर है।

नई दिल्ली। इंडियन मार्केट में महिंद्रा कई दमदार एसयूवी को लॉन्च कर चुकी है। मार्केट में इसकी सबसे लोकप्रिय एसयूवी में से एक Mahindra Scorpio-N है। इस कार की डिमांड काफी अधिक है। हालांकि लोगों के इसके पेट्रोल से अधिक डीजल वेरिएंट पसंद आ रहा है। आज हम आपको इस खबर के माध्यम से Mahindra Scorpio-N के डीजल वेरिएंट के फीचर्स और इंजन के बारे में बताने जा रहे हैं कि आखिर किन कारण से ये लोगों के बीच इतनी लोकप्रिय है।

Mahindra Scorpio-N

इस कार के माइलेज की बात करें तो इसके ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ पेट्रोल की माइलेज 10.14 किमी प्रति लीटर है, जबकि डीजल वेरिएंट का माइलेज 12.73 किमी प्रति लीटर है। वहीं माइलेज के अलावा इस कार के डीजल वेरिएंट से आप आराम से यात्रा कर सकते हैं। पेट्रोल के मुकाबले डीजल वेरिएंट अधिक टॉर्क जनरेट करता है। इस कार की रीसेल वैल्यू भी काफी अच्छी है। ऑफ रोडिंग के लिए इसे अधिक पसंद किया जाता है। ये 4X4 ऑप्शन के साथ आती है।

Mahindra Scorpio-N कीमत

भारतीय बाजार में Mahindra Scorpio-N की एक्स शोरूम कीमत 13.26 लाख रुपये से 24.54 लाख रुपये के बीच है। इस एसयूवी में 6 और 7 सीटर का ऑप्शन मिलता है। इसमें 2.2 लीटर डीजल इंजन का ऑप्शन भी मिलता है। जो 132 पीएस/300 एनएम और 175 पीएस (370 एनएम और 400 एनएम) से लैस है।

Mahindra Scorpio-N इंजन और पावर

इसके अलावा इस एसयूवी में 2 लीटर का टर्बो इंजन मिलता है। जो 203 पीएस की पावर और 380 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। इसमें 2WD (टू व्हील ड्राइव) 4WD (फोर व्हील ड्राइव) तकनीक के साथ 6-स्पीड मैनुअल/6-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स का भी ऑप्शन मिलता है।

Mahindra Scorpio-N फीचर्स

इस कार में फीचर्स के तौर पर 8-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, क्रूज़ कंट्रोल, फ्रंट और रियर कैमरा, वायरलेस फोन चार्जिंग,6 एयरबैग, एबीएस (एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम), टीपीएमएस (टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम) मिलता है।

भारतीय राजनीति में एक नया प्रयोग

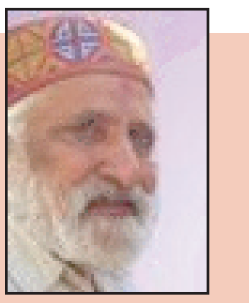

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में जीत प्राप्त कर ली है। यह अपने आप में अब कोई बडी खबर नहीं है। लेकिन बड़ी खबर तब बनी जब पार्टी ने इन तीनों राज्यों के लिए मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों का चयन किया।

अब भारतीय जनता पार्टी ने राजनीति में एक नई रीत चला दी है। ऐसे-ऐसे लोग राजनीति में आगे आ रहे हैं जिनके बारे में जानने के लिए मीडिया वालों को गांवों में जाकर धक्के खाने पड़ रहे हैं। कौन हैं भजन लाल शर्मा? पिता जी क्या करते हैं? गांव में सडक़ भी है या नहीं? ऐसी कितनी जानकारियां जमा करनी पड़ रही हैं ताकि एक उम्दा सा लेख लिखा जा सके। सम्पादक ने मांगा है तो धुर देहात में जाकर धक्के तो खाने पड़ेंगे। पहला जमाना भला था। फारूक अब्दुल्ला कौन है? गूगल में जाएं और अब्दुल्ला पर दो किताबों की सामग्री मिल जाएगी। लेकिन लगता है अब भारत में राजनीति की नई पारी शुरू हुई है जिसमें राजवंश लडख़ड़ाने लगे हैं और आम आदमी जमने लगा है'

भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में जीत प्राप्त कर ली है। यह अपने आप में अब कोई बडी खबर नहीं है। लेकिन बड़ी खबर तब बनी जब पार्टी ने इन तीनों राज्यों के लिए मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों का चयन किया। छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय, मध्यप्रदेश में मोहन यादव और राजस्थान में भजन लाल शर्मा मुख्यमंत्री बनाए गए। कहा जा रहा है कि जब राजनाथ सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री और हाल ही तक मुख्यमंत्री पद की सशक्त दावेदार वसुंधरा राजे के हाथ में एक पर्ची देते हुए कहा कि इसे पढ़ कर सुना दो ताकि पर्ची वाले को मुख्यमंत्री घोषित कर दिया जाए। पर्ची पढ़ते समय शायद वसुंधरा राजे को भी विश्वास नहीं हो रहा था कि भजन लाल शर्मा को पार्टी मुख्यमंत्री बना रही है। उनके चेहरे की रंगत से ऐसा ही आभास होता था। मुख्यमंत्री बने ये तीनों शख्स मुख्यमंत्री बनने की दौड़ में शामिल भी नहीं थे। इस काम के लिए बुलाई गई बैठकों में भी वे पीछे की सफों में बैठे दिखाई दे रहे थे। राजस्थान में दीया कुमारी और प्रेम चंद बैरवा को उप मुख्यमंत्री का जिम्मा दिया गया। यह ठीक है कि दीया कुमारी का नाम मीडिया में मुख्यमंत्री के तौर पर चर्चा में रहा था, जिसका एक कारण उनका राज परिवार से ताल्लुक रखना भी था।

लेकिन उसे उपमुख्यमंत्री होने का संतोष करना पड़ा। अलबत्ता प्रेम चंद किसी रेस में दूर दूर तक नहीं थे। राजेंद्र शुक्ला और जगदीश देबड़ा मध्य प्रदेश में उप मुख्यमंत्री बने। छत्तीसगढ़ में अरुण साव और विजय शर्मा उप मुख्यमंत्री चुने गए। ये सब लोग कौन हैं और इससे भारत की राजनीति में परिवर्तन की दिशा कैसे दिखाई दे रही है? पिछले पचहत्तर साल से लोकतांत्रिक व्यवस्था के भीतर ही देश की राजनीति का अंक पैट्रन विकसित हो गया था। राजनीति में धीरे धीरे एक अभिजात्य वर्ग उभर आया था जो देश की राजसत्ता के शिखर पर बैठ गया था। इस प्रक्रिया ने स्वाभाविक ही वंशवाद को जन्म दिया था। इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री क्यों बनना चाहिए था? क्योंकि वह जवाहर लाल नेहरु की बेटी थीं। ध्यान रहे वह लाल बहादुर शास्त्री के मंत्रिमंडल में महज राज्यमंत्री थीं। लेकिन राजीव गांधी को प्रधानमंत्री क्यों बनना चाहिए था? क्योंकि वह इंदिरा गांधी के बेटे थे। प्रधानमंत्री बनने तक देश की राजनीति में उनका कोई स्थान नहीं था। वह एक पायलट थे। राजीव गांधी की हत्या के बाद प्रधानमंत्री कौन बने? गांधी-नेहरु राजपरिवार में उस समय कोई नहीं था। राजीव गांधी के बच्चे अभी छोटे थे। सोनिया गांधी बन नहीं सकती थीं। नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री तो बने, लेकिन पूरी कांग्रेस इस अप्रत्याशित घटना से भौंचक्की थी। संकट काल में मनमोहन सिंह को गद्दी पर बिठा कर कामचलाऊ व्यवस्था जरूर कर ली गई थी, लेकिन पूरी पार्टी इस बीच असहज ही रही। राहुल गांधी ने दो कैबिनेट द्वारा पारित एक अध्यादेश को सार्वजनिक रूप से फाड़ कर मनमोहन सिंह की वास्तविक स्थिति को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट कर दिया था। कांग्रेस में सहज स्थिति तब आई जब राजीव गांधी के दोनों बच्चे बड़े हो गए। तब स्वाभाविक ही उन्होंने गियर सम्भाल लिया। कहा जाता है, मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्व काल में यह सुझाव भी दिया गया था कि राहुल गांधी को मंत्रिपरिषद में लेकर शासन का कुछ अनुभव प्राप्त कर लेना चाहिए।

लेकिन इसे भी राज परिवार में तौहीन की तरह ही देखा गया। वह भविष्य के प्रधानमंत्री हैं, किसी के अधीन मंत्री कैसे बन सकते हैं? भारतीय राजनीति की यह फेहरिस्त केवल नेहरु-गांधी राज परिवार तक ही सीमित नहीं है। राजनीति की यह आकाश बेल सब जगह दिखाई दे रही है। अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री क्यों बनना चाहिए? इसके उत्तर में अखिलेश की योग्यता या अयोग्यता की चर्चा नहीं होती। केवल एक ही योग्यता यह पद सम्भालने के लिए पर्याप्त है कि वह मुलायम सिंह जी के सुपुत्र हैं। फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के स्थायी मुख्यमंत्री का दावा किस आधार पर ठोंकते हैं? उनका एकमात्र आधार शेख मोहम्मद अब्दुल्ला के पुत्र-पौत्र होने का है। ममता बनर्जी ने सार्वजनिक रूप से घोषणा कर दी है कि उनका उत्तराधिकारी उनका भतीजा अभिषेक बनर्जी ही होगा। यही काम मायावती ने सार्वजनिक रूप से किया है। उन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है। लालू यादव ने तो संकट काल में अपनी पत्नी राबड़ी देवी को ही मुख्यमंत्री बना दिया था जिसका राजनीति से कुछ लेना-देना नहीं था। जब किसी ने आपत्ति की तो लालू ने सहज भाव से ही जवाब दिया था कि अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री न बनाता तो भला किसकी पत्नी को बनाता? अब बच्चे सयाने हो गए हैं तो पारिवारिक परम्परा के अनुसार सभी को पुश्तैनी सम्पत्ति बांट कर खाली समय में आनंद के कनकौए उड़ा रहे हैं। बिटिया को उपहार में सांसदी दे दी है। दोनों बेटों को, जिनका पढने इत्यादि में मन नहीं लगता था, उन्हें उप मुख्यमंत्री बना दिया है। अपना कमाएं और खाएं। उधर झारखंड में शिबू सोरेन ने अपने बेटे हेमंत सोरेन को ताज पहना दिया है। सेहत थोड़ा गड़बड़ रहती है। पानी का बुलबुला है। जीते जी बेटे को कुंजी थमा दी है। यह करना बहुत जरूरी है। बुजुर्गवार ऐसे ही तो नहीं कह गए थे कि अपने जीते जी अपना राजपाट बेटे-बिटियों को बांट-बूंट दो, नहीं तो पीछे से नाहक लड़ेंगे और वंश की बदनामी होगी। मुम्बई वाले बाला साहिब ठाकरे यही धोखा खा गए थे। इससे कितनी जगहंसाई और किरकिरी हुई? बेटा उद्धव ठाकरे कह रहा है कि मैं उनका उत्तराधिकारी हूं, उधर भतीजा राज ठाकरे कह रहा है चाचा जी मुझे उत्तराधिकारी बना कर गए थे।

घर की लड़ाई बाहर गली-मुहल्ले में सुनाई दे रही है। मायावती और ममता बनर्जी ने शायद इसी से सीख ली हो। तमिलनाडु में करुणानिधि के बच्चों वगैरह की फेहरिस्त को कौन देखे, इतना निश्चित है कि बेटे स्टालिन ने उसे किसी तरह सुलझा कर या फिर दूसरे दावेदारों को किसी तरह किनारे पर पहुंचा कर गद्दी पर कब्जा कर लिया है। लेकिन अब भारतीय जनता पार्टी ने राजनीति में एक नई रीत चला दी है। ऐसे-ऐसे लोग राजनीति में आगे आ रहे हैं जिनके बारे में जानने के लिए मीडिया वालों को गांवों में जाकर धक्के खाने पड़ रहे हैं। कौन हैं भजन लाल शर्मा? पिता जी क्या करते हैं? गांव में सडक़ भी है या नहीं? ऐसी कितनी जानकारियां जमा करनी पड़ रही हैं ताकि एक उम्दा सा लेख लिखा जा सके। सम्पादक ने मांगा है तो धुर देहात में जाकर धक्के तो खाने पड़ेंगे। पहला जमाना भला था। फारूक अब्दुल्ला कौन है? गूगल में जाएं और अब्दुल्ला पर दो किताबों की सामग्री मिल जाएगी। लेकिन लगता है अब भारत में राजनीति की नई पारी शुरू हुई है जिसमें राजवंश लडख़ड़ाने लगे हैं और आम आदमी जमने लगा है।

संपादक की कलम से

राहुल की 'न्याय यात्रा'

कांग्रेस ने एक और यात्रा निकालने की घोषणा की है। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ही यात्रा का नेतृत्व करेंगे। इस बार यात्रा की शुरुआत पूर्वोत्तर में मणिपुर की राजधानी इम्फाल से 14 जनवरी को होगी और 20 मार्च को समापन मुंबई में होगा। करीब 6200 किलोमीटर की यात्रा बस के जरिए की जाएगी, हालांकि बीच-बीच में पदयात्रा और नुक्कड़ बैठकें भी की जाएंगी। यात्रा 14 राज्यों के 85 जिलों से होकर गुजरेगी। रास्ते में 355 लोकसभा सीटों के क्षेत्र आएंगे, जिनमें से 14 सीटें ही कांग्रेस 2019 के आम चुनाव में जीत पाई थी। उस दृष्टि से यह कांग्रेस की चुनाव प्रचार यात्रा ही है, लेकिन यात्रा के दौरान जो राज्य आएंगे, उनमें से गुजरात, राजस्थान, मणिपुर, नगालैंड राज्यों में कांग्रेस के हिस्से 'शून्य' लोकसभा सीट रही थी। एकमात्र असम राज्य में कांग्रेस ने 3 लोकसभा सीटें जीती थीं। उसके अलावा, राज्यों में एक या दो सीट ही नसीब हुई थी। इसे 'भारत न्याय यात्रा' नाम दिया गया है, जो 67 दिन तक जारी रहेगी। इससे पहले कन्याकुमारी से कश्मीर तक की 'भारत जोड़ो यात्रा' 136 दिन की थी। मौजूदा यात्रा के दौरान पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड राज्य पड़ेंगे, जहां विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की सरकारें हैं। उप्र और महाराष्ट्र में भी विपक्षी गठबंधन एक मजबूत राजनीतिक ताकत है। यात्रा मप्र, छत्तीसगढ़, राजस्थान सरीखे राज्यों से भी गुजरेगी, जहां हालिया चुनावों में कांग्रेस भाजपा के मुकाबले बुरी तरह पराजित हुई है। इन राज्यों में भाजपा और कांग्रेस की सीधी चुनावी टक्कर होती है। बहरहाल अब सवाल यह है कि 'न्याय यात्रा' से पहले गठबंधन के घटक दलों को विश्वास में लिया गया था अथवा नहीं? या इस यात्रा के जरिए घटक दलों को, उन्हीं के प्रभाव क्षेत्रों में, चुनौती दी जाएगी, ताकि गठबंधन कांग्रेस की छतरी तले ही आकार ग्रहण करे? सवाल यह भी है कि यात्रा के दौरान जो जनता कांग्रेस नेता राहुल गांधी के संपर्क में आएगी, उसे सामाजिक-आर्थिक न्याय किस तरह मुहैया कराया जाएगा? खासकर महिलाओं, युवाओं और वंचित तबकों के लिए कांग्रेस की क्या नीतियां होंगी? क्या 6000 रुपए माहवार की 'न्याय योजना' को लागू करने का चुनावी वायदा किया जाएगा? राहुल गांधी ने 2019 के आम चुनाव में भी इस योजना का खूब प्रचार किया था, लेकिन देश की जनता ने, सिर्फ किसानों के लिए, 6000 रुपए सालाना की सम्मान राशि के प्रति अपना भरोसा जताया था। 'मुफ्तखोरी' की राजनीति पर अब देश को बार-बार मंथन करना चाहिए, क्योंकि देश पर करीब 209 लाख करोड़ रुपए का कर्ज हो गया है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष भी इस बढ़ते कर्ज पर भारत सरकार को सचेत कर रहा है। हालांकि वह हमारी आर्थिक विकास दर को लेकर भी आश्वस्त है। जब तक राहुल गांधी की 'न्याय यात्रा' का समापन होगा, तब तक चुनाव आयोग आम चुनाव की तारीखें घोषित कर चुका होगा। 2019 में भी मार्च माह में आम चुनाव का कार्यक्रम घोषित किया गया था। कांग्रेस के पक्षधर मान रहे हैं कि जो जनता आज 'न्याय' के लिए भटक रही है, उसके लिए लड़ाई लडऩे की यह यात्रा है, लेकिन क्या यह प्रधानमंत्री की 'गारंटी यात्रा' के मुकाबले शुरू की जा रही है अथवा कांग्रेस एक निश्चित वोट बैंक बनाने में सफल होगी, ऐसे सवालों के सटीक जवाब कांग्रेस ने नहीं दिए हैं। यह यात्रा करीब 98.75 करोड़ आबादी वाले क्षेत्रों से गुजरेगी। क्या राहुल गांधी कांग्रेस के लिए वोटों की संख्या में बढ़ोतरी कर पाएंगे? कांग्रेस की यात्रा भी जारी रहेगी और राहुल गांधी पार्टी के पक्ष में वोट भी मांगेंगे, लिहाजा जनसंपर्क के ऐसे अभियान सकारात्मक और प्रशंसनीय ही होते हैं। 'भारत जोड़ो यात्रा' के प्रभाव ही कांग्रेस मानती है कि कर्नाटक और तेलंगाना जैसे दक्षिण भारतीय राज्यों में उसकी सरकारें बनीं, जबकि ऐसे आकलन नहीं किए गए थे, लिहाजा कांग्रेस आशान्वित है कि 'न्याय यात्रा' के भी व्यापक प्रभाव पड़ सकते हैं। मणिपुर के दंगे भी चुनावी मुद्दा बन सकते हैं।

राय

दिल्ली समीक्षा से अपेक्षा

आगामी लोकसभा चुनाव की करवटों के बीच दिल्ली में कांग्रेस की मंत्रणा का सबूत बनकर हिमाचल से 33 नेताओं का जत्था, किस नए शपथपत्र पर हस्ताक्षर करेगा, यह देखना होगा। गिन कर केवल तीन राज्यों में अपनी सरकार चलाने वाली कांग्रेस के लिए चुनावी तस्वीर के कई पहलू हैं, जबकि इसके गणित में हिमाचल की गारंटियां भी गिनी जाएंगी। एक साल की सत्ता को लोकसभा जीत का परिणाम चाहिए तो सामने भाजपा की हर चाल से मुकाबला करने का संगठन और कार्यकर्ताओं का वजन चाहिए। दिल्ली गए तैंतीस नेता, अपने-अपने आश्वासन से कांग्रेस का सीना फुला सकते हैं, लेकिन इधर हिमाचल की पसलियों का दर्द न पार्टी और न ही सरकार ठीक से जानती है। यह नया दौर है जहां कांग्रेस को अपने नेतृत्व की कसौटी पर चार लोकसभा सीटों पर आधिपत्य स्थापित करना है। भाजपा से छीनी गई मंडी लोकसभा सीट पर वर्तमान सांसद प्रतिभा सिंह की सियासी प्रतिभा का मुआयना होगा, तो कांगड़ा, हमीरपुर व शिमला में मुख्यमंत्री और सरकार के गठन को साबित करना है कि क्यों किसी संसदीय क्षेत्र से पांच, किसी से तीन और किसी से दो मंत्री चुने गए। इस तरह लोकसभा चुनाव की सबसे ताकतवर पिच शिमला होनी चाहिए जहां से आधा मंत्रिमंडल अपनी हैसियत का लोहा मनवा रहा है। हमीरपुर का ताज पहने स्वयं मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री तथा अभी-अभी शरीक किए गए बिलासपुर से राजेश धर्माणी का वर्चस्व देखा जाएगा। कांगड़ा अभी आहों के सफर पर पहले ही वरिष्ठ नेताओं को उदास कर चुका है, तो मंत्रिमंडल की रिक्तता में नेताओं की पद लालसा और महत्त्वाकांक्षा से चुनाव की महत्त्वाकांक्षा कितनी जुड़ती है, देखना होगा। दिल्ली की समीक्षा में अब तक असफल रहे सुधीर शर्मा और राजेंद्र राणा से यह अपेक्षा है कि ये दोनों नेता अपनी वरिष्ठता के आधार पर चुनावी नैया के पतवार थामें। संगठन और सरकार के सामने समन्वय के प्रश्न उठते रहे हैं, तो चुनावी मौसम में न जाने संतुलन के किस आधार पर कांग्रेस को मतदाता से अपना सियासी हक मांगना है। कम से कम भाजपा की तैयारियों, नेताओं की होशियारियों और संगठन की क्यारियों के जोश का मुकाबला करने के लिए कांग्रेस को अन्त्य परीक्षण व परीक्षा की जरूरत दिखाई देती है। कांग्रेस का जत्था दिल्ली से शुभ संकेत पाना चाहता है, इसलिए घर की बुनियाद पर बड़े नेताओं का पलस्तर खोजा जा रहा है, जबकि भाजपा अपनी दिल्ली की राह को प्रदेश में खोज रही है। भाजपा ने बतौर संगठन जो कुछ हिमाचल में बटोरा है, उसके विपरीत कांग्रेस का आशियाना खामोश है। भाजपा केंद्र सरकार के प्रदर्शन पर एक ओर मोदीत्व को आगे बढ़ा रही है, जबकि दूसरी ओर अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन का महोत्सव बांट रही है। बहरहाल हिमाचल कांग्रेस का कुनबा दिल्ली दरबार में शरणागत है। देखना यह है कि पार्टी अपनी चिंताओं, भीतरी घावों, सरकार की चुनौतियों-गारंटियों तथा विक्षुब्ध नेताओं की खामोशियों को कैसे साधती है। चुनावी जीत की मंशा, मंतव्य और मंत्रणा के बीच पार्टी के लिए उम्मीदवारों को चिन्हित करने की कवायद के ऊंट किस करवट बैठते हैं, यह माथापच्ची का विषय है। दूसरी ओर विधानसभा चुनाव के उत्साह, समीकरण और संस्करण को लोकसभा के राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में जिंदा रखने की जरूरत है।

सेना की सिफारिश पर निशान-ए-हैदर

प्रताप सिंह पटियाल

मैदाने जंग में दुश्मन की बहादुरी का एहतराम करके शत्रु सैनिकों को रणभूमि में खिराज-ए-अकीदत पेश करने वाले जज्बात भारतीय सेना की महानता को जाहिर करते हैं। पाक सेना से भारतीय सरजमीं को मुक्त कराने में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले 'नग्गी युद्ध' के शूरवीरों को सेना नमन करती है'

भारतीय सेना का इतिहास हमारे सैनिकों के अदम्य साहस की वीरगाथाओं व सेना की गौरवशाली परंपराओं से लबेरज है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारतीय सेना ने सन-1971 की जंग में पाकिस्तान को तकसीम करके कभी न सूखने वाला जख्म दिया था। सन-1971 में भारतीय सेना हिंदोस्तान के पूर्वी व पश्चिमी दोनों मोर्चों पर जंग लड़ रही थी। जंग के महाज पर दुश्मन के नापाक मंसूबों को खाक में मिलाकर शौर्य पराक्रम के कई मजमून लिखने वाली भारतीय सेना ने रणभूमि में दुश्मन की बहादुरी का हमेशा सम्मान किया है। भारतीय सेना ने चार दिसंबर 1971 को पश्चिमी मोर्चे पर पाकिस्तान के शकरगढ़ सेक्टर पर हमला करके पाक सेना की पेशकदमी को वहीं खामोश कर दिया था। शकरगढ़ में बसंतर दरिया के किनारे 'जरपाल' कस्बे पर कब्जा करने में अहम किरदार अदा करने वाली सेना की 'तीन ग्रेनेडियर्स' यूनिट के कमान अधिकारी कर्नल 'वेद प्रकाश एरी' को युद्ध में उत्कृष्ट सैन्य नेतृत्व के लिए 'महावीर चक्र' से नवाजा गया था।

बसंतर के युद्ध में पाकिस्तानी कर्नल 'मोहम्मद अकरम रजा' की कयादत में पाक सेना की '35वीं फ्रंटियर फोर्स' ने जरपाल में तीन ग्रेनेडियर्स पर हमला कर दिया था। तीन ग्रेडियर्स के जवाबी हमले में फ्रंटियर फोर्स के कर्नल मो. अकरम रजा सहित 85 पाक सैनिक हलाक हो गए थे। भारतीय कर्नल वीपी एरी ने जंग में हलाक हो चुके पाक कर्नल अकरम रजा की वर्दी की जेब में एक पत्र लिखकर डाल दिया था, जिसमें बसंतर युद्ध में अकरम रजा की बहादुरी का जिक्र किया गया था।

युद्ध में सीजफायर का ऐलान होने के बाद 17 दिसंबर 1971 को बसंतर की जंग में मारे गए पाक सैनिकों की लाशें उठाते वक्त पाकिस्तानी ब्रिगेडियर 'शेरबाज खान' को अकरम रजा की जेब से वो पत्र प्राप्त हुआ था। नतीजतन कर्नल वीपी एरी की तहरीर पर पाक हुकूमत ने बसंतर जंग में मारे गए कर्नल मो. अकरम रजा को पाकिस्तान के दूसरे आलातरीन सैन्य पदक 'हिलाल-ए-जुर्रत' से सरफराज किया था। स्मरण रहे भारतीय सेना ने आदमियत की एक ऐसी ही मिसाल सन-1999 की कारगिल जंग में पेश की थी। कारगिल युद्ध में 'टाईगर हिल' पर 'आठ सिख रेजिमेंट' के भयंकर हमले में पाक सेना की '12 नार्दर्न लाइट इन्फैंट्री' के कैप्टन 'करनल शेर खान' सहित कई सैनिक हलाक हो गए थे। पाकिस्तान ने कारगिल जंग में मारे गए अपने सैनिकों की लाशें तस्लीम नहीं की थीं। मगर युद्ध में शहीद शेर खान की बहादुरी से प्रभावित होकर भारतीय सेना के ब्रिगेडियर 'एमपीएस बाजवा' ने शेर खान की मय्यत को रेडक्रॉस के जरिए पूरे सैन्य एजाज के साथ पाकिस्तान भिजवाया था तथा शेर खान की जेब में एक पत्र लिखकर डाला था। उस पत्र में जंग में शेर खान की बहादुरी का हवाला दिया गया था। जब पाक हुक्मरानों को करनल शेरखान की बहादुरी का इल्म हुआ तो इस्लामाबाद में शेर खान के ताबूत को ले. ज. मुजफ्फर उस्मानी व सिंध के गवर्नर मामून हुसैन ने खुद कंधा दिया था। एमपीएस बाजवा द्वारा लिखे पत्र की सिफारिश पर पाक हुकूमत ने कै. करनल शेर खान को पाकिस्तान के सर्वोच्च सैन्य पदक 'निशान-ए-हैदर' से नवाजा था। रणभूमि में ऐसा बहुत कम देखने या सुनने को मिलता है, जब कोई सैनिक दुश्मन की वीरता की तारीफ पूरी अकीदत से करता हो। लेकिन कारगिल जंग में मुल्लविश पाक सेना के किरदार को बेनकाब करने वाले हिमाचली शूरवीर कै. सौरभ कालिया के जख्मों का हिसाब पाक सेना से बाकी है। सन-1971 की जंग को भारतीय सेना ने विजयी अंदाज में तकमील कर दिया था। बांग्लादेश के ढाका में 16 दिसंबर 1971 को पाक जरनैल आमीर अब्दुल्ला खान नियाजी ने 93 हजार पाक जंगी कैदियों के साथ आत्मसमर्पण कर दिया था। सरहदें लगभग शांत हो चुकी थीं, मगर युद्ध में मिली जिल्लतभरी शिकस्त से आलमी सतह पर बेआबरू हो चुके पाक सिपाहसालारों ने भारत के खिलाफ सरहद पर खूनी संघर्ष जारी रखा था। पाकसेना की '36वीं फ्रंटियर फोर्स व पाक रेंजर्स' ने 25 दिसंबर 1971 को राजस्थान के गंगानगर सेक्टर में श्रीकरणपुर तहसील के 'नग्गी' कस्बे पर हमला करके कब्जा जमा लिया था। परंतु भारतीय सेना के पलटवार के बाद नग्गी पर हमला पाक सेना के लिए कुचा-ए-कातिल साबित हुआ था। भारतीय सेना की 'चार पैराशूट' व 'नौ पैरा फील्ड' बटालियन ने 27 दिसंबर 1971 को नग्गी में पाक सेना के उस दुस्साहस का माकूल जवाब दिया था। नग्गी के रण में पाक सेना पर जवाबी हमला करने वाली चार पैराशूट की एक कंपनी का नेतृत्व मेजर 'विजय कुमार बेरी' 'महावीर चक्र' ने किया था।

नग्गी में पाक सेना पर आक्रामक सैन्य कार्रवाई के दौरान दुश्मन के तोपखाने की भीषण गोलीबारी में चार पैराशूट के 21 कमांडो वीरगति को प्राप्त हो गए थे। युद्ध में उच्चकोटी के सैन्य नेतृत्व के लिए हवलदार 'टेक बहादुर गुरूंग' को 'वीर चक्र' (मरणोपरांत) से नवाजा गया था। मे. विजय कुमार बेरी की प्रारंभिक शिक्षा शिमला के 'सेंट एडवर्ड स्कूल' में हुई थी। नग्गी के उसी युद्ध में पाक सेना को धूल चटाकर हिमाचल के पैराटूपर कमलेश कुमार भी शहीद हो गए थे। नग्गी में पाक फौज की मसूबाबंदी को ध्वस्त करने वाले योद्धाओं की याद में भारतीय सेना प्रतिवर्ष 28 दिसंबर को 'नग्गी दिवस' के तौर पर मनाती है। नग्गी में तामीर किया गया 'यादगार-ए-शहोदा' नग्गी जंग के शूरवीरों की बहादुरी को बखूबी बयान करता है। बहरहाल पाक सेना को भारत के खिलाफ अदावत विरासत में मिली है। लेकिन मैदाने जंग में दुश्मन की बहादुरी का एहतराम करके शत्रु सैनिकों को रणभूमि में खिराज-ए-अकीदत पेश करने वाले जज्बात भारतीय सेना की महानता को जाहिर करते हैं। पाक सेना से भारतीय सरजमीं को मुक्त कराने में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले 'नग्गी युद्ध' के शूरवीरों को सेना नमन करती है। मातृभूमि की रक्षा के लिए हमारे सैनिकों ने बलिदान देकर दुश्मन को हमेशा शिकस्त-ए-फाश दी है। सैनिकों का जज्बा युवा वर्ग के लिए प्रेरणादायक होना चाहिए।

हास्य रस

सावधान, गधे आ गए हैं!

अब कुत्तों से ही नहीं, गधों से भी सावधान रहना है। यह अच्छी बात है कि लोग कुत्तों से पहले ही सावधान हैं। जहां तक गधों का प्रश्न है, मैं उनसे सावधान रहने के लिए जन अभियान चला रहा हूं, क्योंकि गधों ने राष्ट्र का बहुत नुकसान किया है। लोग गधे को सिर्फ सीधा भोला-भाला जीव समझकर अपना समर्थन देते रहें, इसे मैं उचित नहीं मानता। गधों के मानसिक दिवालियेपन के कारण और उनकी सदैव चरते रहने की वृत्ति ने देश का सर्वनाश कर दिया है, इसलिए मैं इस मौसम में देशवासियों से खुली अपील करता हूं कि गधों से सावधान रहें। गधों के हिमायती सदैव यह तर्क देते रहे हैं कि गधे कुत्तों की तरह काटते नहीं हैं और काट लें तो उनको चौदह इंजैक्शन का प्रावधान नहीं है। गधे जितना खा रहे हैं तथा उससे जो लीद बन रही है, वह हमारी चिंता का बुनियादी कारण है। खाने की एक सीमा होती है। जब तक गधे सलीके से खाकर लीदते रहे, मुझे भी परेशानी नहीं रही। लेकिन जबसे उनकी खुराक में इजाफा हुआ है-मेरी चिंताएं सघन हो गई हैं तथा मैं गधों से देशवासियों को बचाने के लिए सजग हो गया हूं। मेरे मित्र हैं मलूकदास। मेरी ही कॉलोनी में वर्षों से रह रहे हैं। आते रहते हैं अक्सर, लेकिन उस दिन आए तो बेहद उदास थे। गहन चिंता की लकीरें उनके माथे पर स्पष्ट रूप से देखी जा सकती थीं। मैं घबराया और बोला-'क्यों मलूकदास, क्या बात है? तुम कुछ परेशान से दिखाई दे रहे हो?' मलूकदास ने चिंता की लकीरों को और घना किया और बोला-'यार, कॉलोनी में गधों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। क्या तुम इस बात से चिंतित नहीं हो?' मेरे कान खड़े हो गए। दुखती रग पर हाथ धर दिया था मलूकदास ने। मैंने कहा-'मैं तो खुद परेशान हूं गधों से, सारा माल चट कर गए और सारे में गंदगी फैला दी है। हम दोनों मिलकर क्या कर सकते हैं?' मलूकदास ने जम्हाई ली, मुंह को पोंछा और कहा-'कर तो क्या नहीं सकते हम, लेकिन बाहर गधे जिस तादाद में बढ़ गए हैं, उनके खिलाफ जेहाद में हमें कहीं मुंह की न खानी पड़ जाए।' 'तुम सही कह रहे हो शर्मा जी।

इधर चुनाव सिर पर हैं और गधे पहले से ज्यादा रेंक रहे हैं। रात-दिन रेंकते हैं। जीना हराम कर दिया है। मुझे भय है कहीं गधे पहले की तरह ही चुनाव जीत गए तो देश का रहा-सहा और बंटाधार हो जाएगा। इधर गधों के प्रति जनता का क्रेज बढ़ रहा है। घोड़ों को कोई नहीं पूछता। क्या जमाना आ गया है, गधे-घोड़े का फर्क ही मिट गया है। घोड़ों की दुर्गति है।' मलूकदास वाकई गधों को लेकर खासे परेशान थे। मैंने कहा-'सुनिए मलूक, कॉलोनी से इनके निष्कासन का रास्ता निकालना जरूरी है। क्या ऐसा नहीं हो सकता कि हम गधों को समझाएं कि वे यह कॉलोनी छोडक़र अपना डेरा कहीं दूसरी जगह लगाएं।' समझाने की बात पर मलूकदास हंसे, बोले-'गधे ही समझते तो वे गधे क्यों होते, घोड़े नहीं बन जाते। मेरी राय में तो गधों के खिलाफ घोड़ों का नया मोर्चा तैयार कर उनके टक्कर में पूरी तैयारी के साथ उन्हें चुनाव मैदान में उतारा जाए। हो सकता है कि इस बार गधों को पटकनी दे ही दें।' मलूकदास बोले-'गधों को देख नहीं रहे, किस कदर फूलकर लाल हो रहे हैं। इनके पास अथाह चारा है तथा वोटर भी गधे हैं, वे वोटर को चारे का प्रलोभन देकर घोड़ों की जमानतें जब्त करवा सकते हैं। गधों से निजात मिलना बहुत कठिन है। गधे हमारी व्यवस्था की रग-रग में समा गए हैं, जिससे अंग-भंग होने का पूरा खतरा है। मेरे विचार से कोई और नई चाल सोचनी चाहिए हमें गधों को हरवाने के लिए।' मैं किंकर्तव्यविमूढ़ था। कुछ भी तो समझ में नहीं आ रहा था। मैं अनमना-सा बोला-'क्या ऐसा नहीं हो सकता कि हर आवास के बाहर हम यह भी लिखवा दें कि इस चुनाव में गधों से बचें तथा सावधान रहें। हो सकता है कि इसका फायदा घोड़ों को मिल जाए।' 'बात में दम तो है शर्मा तुम्हारी में। लेकिन गधे नाराज तो नहीं हो जाएंगे?' मलूकदास ने प्रश्न किया तो मैंने हंसकर कहा-'इसका मतलब तुम गधों से डरते हो, अब गधों से डरने का भय निकाल दो। इनके संगठन जो नित नए गठजोड़ कर रहे हैं, उससे लगता है इनका सफल होना संदिग्ध है। इधर हमारे घोड़े भी हिनहिना रहे हैं। ऐसे में इस रेस में घोड़ा, गधे को पीछे छोड़ सकता है।'

पूरन सरमा

इनसाइड

शेयर मार्केट, SIP से लेकर mutual fund रहे निवेश के बेस्ट ऑप्शन, ये हैं टॉप इन्वेस्टमेंट टूल्स

खुद को वित्तीय रूप से सशक्त करने के लिए आज के समय में निवेश करना बहुत जरूरी हो गया है। अगर आप भी अगले साल 2024 तक खुद को वित्तीय रूप से मजबूत करना चाहते हैं तो आप को आज हम टॉप इन्वेस्टमेंट टूल्स के बारे में बताएंगे। आप इन टूल्स में आसानी से निवेश कर सकते हैं। यह आपको वित्तीय रूप से मजबूत करने में मदद करेगा।

नईदिल्ली। देखते-देखते 2023 वर्ष खत्म होने वाला है। खुद को वित्तीय रूप से मजबूत करने के लिए आप कई इन्वेस्टमेंट टूल्स में निवेश कर सकते हैं। अगर आप भी निवेश को लेकर कंफ्यूज हैं तो आपको बता दें कि आज के समय में निवेश के कई ऑप्शन मौजूद हैं। आज हम आपको इस लेख के जरिये बताते हैं कि आप कहां निवेश कर सकते हैं और आपके लिए कौन-सा ऑप्शन बेस्ट हैं।

शेयर बाजार

शेयर बाजार में निवेश करना आज के समय में एक बेसिक ऑप्शन सा बन गया है। आप अपने बजट के हिसाब से आसानी से इसमें निवेश कर सकते हैं। शेयर बाजार में निवेश को लेकर एक्सपर्ट भी सलाह देते हैं कि इसमें लंबे समय तक के लिए निवेश करना चाहिए। इसके साथ ही इसमें निवेश से पहले सभी पहलू को ध्यान से पढ़ना चाहिए, क्योंकि यह जोखिम भरा होता है।

एसआईपी

एसआईपी (SIP) भी निवेश के लिए काफी अच्छा ऑप्शन है। यह म्यूचुअल फंड में निवेश करने जैसा ही है। इसमें आप कम राशि का निवेश कर सकते हैं। इसके अलावा इसमें कम रिस्क के चांस होता है। इसमें आप कम निवेश करके ज्यादा का लाभ पा सकते हैं।

म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड (Mutual Fund) में अगर लंबे समय तक निवेश करते हैं तो आपको ज्यादा लाभ मिलेगा। एक फिक्सड इनकम के लिए निवेशक को इक्विटी उंड में निवेश करना चाहिए। इक्विटी फंड में कम रिस्क के साथ ज्यादा रिटर्न मिलता है।

रियल एस्टेट

साल दर साल में प्रोपर्टी की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। ऐसे में आप प्रोपर्टी में भी निवेश कर सकते हैं। यह भी निवेश के लिए काफी अच्छा ऑप्शन है। आप रियल एस्टेट (Real Estate) में निवेश करके कैश-फ्लो, टैक्स ब्रेक और इक्विटी भी बिल्ड कर सकते हैं।

एनपीसी

नेशनल पेंशन स्कीम (NPS) में भी निवेश करके आप वित्तीय रूप से स्थिर हो सकते हैं। यह रिटायरमेंट प्लान के लिए काफी लोगों को पसंद आता है। इसमें निवेश करने से आप महंगाई से बच सकते हैं। इसके अलावा यह टैक्स बेनिफिट में भी मदद करता है।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड

डिजिटल गोल्ड में आप निवेश कर सकते हैं। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (Soverign Gold Bond) सरकार द्वारा जारी एक स्कीम है। इसमें रिस्क फैक्टर काफी कम होता है। इसके अलावा इसमें आपको प्योर गोल्ड के साथ स्टोरेज जैसे खर्चों से भी बचाता है।

नए साल में मिलेगा तोहफा! पेट्रोल-डीजल के दाम में गिरावट के मिल रहे हैं संकेत

परिवहन विशेष न्यूज

मई 2022 से राष्ट्रीय स्तर पर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अब उम्मीद की जा रही है कि देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में गिरावट हो सकती है। तेल कंपनियां द्वारा 10 फीसदी तक की कटौती की जा सकती है। अभी इस कटौती को लेकर कोई अधिकारिक जानकारी नहीं है। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 96.71 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर है।

नई दिल्ली। 2 दिन के बाद 2024 का आगाज हो जाएगा। नए साल से पहले पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव होने की उम्मीद है। देश में मई 2022 से पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर बने हुए हैं। समाचार एजेंसी रायटर्स के मुताबिक, 2024 में तेल की कीमतों में 10 फीसदी की कटौती की संभावना है।

तेल कीमतों में यह कटौती भू-राजनीतिक चिंताओं, उत्पादन में कटौती के चलते होगी। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में यह गिरावट दो साल बाद आएगी। 2023 के आखिरी कारोबारी हफ्ते के आखिरी दिन ब्रेंट क्रूड वायदा बाजार में 0.6 फीसदी बढ़कर 77.63 डॉलर प्रति बैरल पर था। वहीं, डब्ल्यूटीआई क्रूड वायदा 0.5 फीसदी की बढ़त के साथ 72.14 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

लाल सागर (रेड सी) में यमन विद्रोहियों के आक्रमण के डर से कई शिपिंग कंपनियां इस रूट से व्यापार नहीं कर रही हैं, जिसके चलते तेल की कीमतों में तेजी देखने को मिली रही थी। अब कुछ कंपनियां रेड सी से शिपिंग के लिए तैयार हो गई है, जिसके चलते शुक्रवार को 3 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है।

समाचार एजेंसी रायटर्स के सर्वे में 30 इकोनमिस्ट और विशेषज्ञों ने पूर्वानुमान लगाया है कि 2024 में बेंट क्रूड ऑडल की 2024 में कीमत 84.43 डॉलर प्रति बैरल रहेगी। इसके साथ ही तेल की कीमतों पर OPEC+ द्वारा उत्पादन में कटौती का कोई असर नहीं दिखा है।

इस साल तेल कंपनियों को हुआ लाभ

देश के सरकारी तेल कंपनियों यानी इंडियन ऑयल कॉर्प, भारत पेट्रोलियम कॉर्प और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन को इस साल काफी लाभ हुआ है। आपको बता दें कि 6 अप्रैल 2022 से पूर्व-रिफाइनरी कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। चालू वित्तीय वर्ष की छमाही में इन सरकारी तेल कंपनियों को लगभग 58,198 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ है।

सस्ता हो सकता है पेट्रोल-डीजल

इन्हीं वैश्विक और घरेलू संकेतों के हवालों से कई रिपोर्ट्स में संभावनाए जाहिर की जा रही हैं कि तेल की कीमतों में 10 रुपये तक कम हो सकती हैं। फिलहाल सरकार और तेल कंपनियों की ओर से इसे लेकर कुछ भी ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है।

साल के आखिरी कारोबारी दिन सस्ता हुआ सोना-चांदी, चेक करें अपने शहर के लेटेस्ट गोल्ड रेट

कारोबारी दिनों में सोने और चांदी की कीमतों में बदलाव किया जाता है। यह बदलाव मल्टी कोमोडिटी एक्सचेंज पर ट्रेड कर रही कीमतों के आधार पर बदला जाता है। साल के आखिरी कारोबारी दिनों में गोल्ड और सिल्वर की कीमतों में नरमी देखने को मिली है। ऐसे में गोल्ड या सिल्वर खरीदने से पहले आपको अपने शहर के लेटेस्ट रेट को जरूर चेक करना चाहिए।

नईदिल्ली। शुक्रवार को सोने और चांदी की नई कीमत जारी हो गई है। आज सोने और चांदी की कीमतों में नरमी देखने को मिली है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार, वैश्विक बाजारों में तेजी के रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को सोना 350 रुपये गिरकर 63,950 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गईं।

सस्ता हुआ सोना

आज सोना 350 रुपये गिरकर 63,950 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गईं। पिछले कारोबार में सोना 64,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। आज वायदा कारोबार में एमसीएक्स पर सोने का फरवरी कॉन्ट्रैक्ट 244 रुपये गिरकर 63,145 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। विदेशी बाजारों में सोना 2,070 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहे थे।

कॉमेक्स पर सोना हाजिर 2,070 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो अंतरराष्ट्रीय बाजार में पिछले बंद स्तर से 10 अमेरिकी डॉलर कम है।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ कमोडिटी विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा

पिछले सत्र में सोना तीन सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद व्यापारियों ने मुनाफा कमाया, जिससे कॉमेक्स सोना गिर गया। डॉलर में सुधार और अमेरिकी ट्रेजरी की बढ़ती पैदावार भी अतिरिक्त कारक हैं जिन्होंने सोना पर दबाव डाला है।

चांदी की कीमतों में नरमी

चांदी भी 1,000 रुपये गिरकर 78,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई, जबकि पिछले बंद में यह 79,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। इसके अलावा, चांदी का मार्च अनुबंध 1,166 रुपये गिरकर 73,793 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया। विदेशी बाजारों में चांदी 23.80 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहे थे।

क्या है आपके शहर में सोने की कीमत

दिल्ली में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,970 रुपये है।

मुंबई में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,870 रुपये है।

कोलकाता में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,870 रुपये है।

पूर्व CEO स्टीव बाल्मर को बिना कुछ किए Microsoft से मिलेंगे 1 बिलियन डॉलर, जानिए कंपनी क्यों हुई मेहरबान

Steve Ballmer Income Microsoft के पूर्व सीईओ Steve Ballmer की इनकम जानकर कई लोगों के मन में सवाल होता है कि आखिर कैसे स्टीव बालमर की इनकम इतनी ज्यादा है। आज हम आपको इस आर्टिकल में बताएंगे कि स्टीव बालमर की इनकम 2023 में कितनी थी। एक रिपोर्ट के अनुसार उनकी इनकम लगभग 1 अरब डॉलर है।

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट (Microsoft) के पूर्व सीईओ स्टीव बाल्मर (Steve Ballmer) की इनकम आश्चर्यजनक है। एक रिपोर्ट के अनुसार उनकी इनकम 1 अरब डॉलर है। ऐसे में कई लोगों के मन में सवाल आता है कि आखिर माइक्रोसॉफ्ट द्वारा इतनी ज्यादा इनकम क्यों दी जाती है। आज हम आपको इस लेख द्वारा बताएंगे कि आखिर स्टीव के पास इतनी इनकम कैसे आती है।

स्टीव माइक्रोसॉफ्ट के निवेशक हैं

स्टीव बाल्मर माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य निवेशक में से एक है। उनके पास कंपनी के 333.2 स्टॉक है यानी वह कंपनी के 4 फीसदी के मालिक हैं। कंपनी में 4 फीसदी की हिस्सेदारी की वजह से उन्हें एक निश्चित राशि लाभांश के तौर पर मिलती है। वर्ष 2023 में माइक्रोसॉफ्ट ने लाभांश देने की घोषणा की है। इस लाभांश के जरिये स्टीव की इनकम लगभग 1 अरब डॉलर तक पहुंच गया।

एक रिपोर्ट एक अनुसार कंपनी द्वारा दी जानी वाली लाभांश की राशि कम लगती है पर 2003 से कंपनी द्वारा लाभांश दिया जा रहा है। इस लाभांश द्वारा की जाने वाली कमाई पर उनको टैक्स का भुगतान करना होता है। वह लाभांश होने वाली कमाई पर वह 200 मिलियन डॉलर तक का टैक्स चुकाना पड़ सकता है। 500,000 या उससे ज्यादा की कमाई पर 20 फीसदी तक का टैक्स लगता है।

स्टीव बॉल्मर के बारे में

स्टीव बाल्मर एक अमेरिकी व्यवसाय कार्यकारी है। वह वर्ष 2000 से वर्ष 2014 तक माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद पर काम कर रहे थे। उन्होंने गणित और इकॉनोमिक में ग्रेज्युशन किया है। उन्होंने 1980 में पढ़ाई छोड़ कर माइक्रोसॉफ्ट ज्वाइन किया था। वह वर्ष 2000 में माइक्रोसॉफ्ट के सीइओ बने थे। उन्होंने अपना कार्यकाल में विंडोज एक्सपी, एक्सबॉक्स और ज़्यून जैसे कई प्रोडक्ट को लॉन्च किया है। उन्होंने 2014 में सीईओ के पद से इस्तीफा दिया था।

माइक्रोसॉफ्ट से निकलने के बाद उन्होंने निवेश करना शुरू किया था। वह बाल्मर ग्रुप के सह-संस्थापक थे।

लोन से लेकर डिजिटल करेंसी तक कई अहम मुद्दों पर RBI ने लिया फैसला, Fintech सेक्टर के लिए कैसा रहा यह साल

2023 इस साल भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने फाइनेंशियल के साथ टेक्नॉलजी सेक्टर में कई अहम मुद्दों पर फैसला लिया है। यह फैसला देश में डिजिटल युग को शुरू करने और देश की आर्थिक स्थिति को सही करने में मदद करेगा। आइए जानते हैं कि वर्ष 2023 में Fintech सेक्टर को लेकर आरबीआई द्वारा कौन-स अहम फैसले लिए गए हैं।

नई दिल्ली। वर्ष 2023 में Fintech सेक्टर के लिए काफी अच्छा रहा है। टेक्नोलॉजी और फाइनेंशियल सेक्टर में रोज कुछ नई गतिविधियां होती रहती है। आज के डिजिटल युग को विकसित करने के लिए फिनटेक सेक्टर (Fintech Sector) का बड़ा योगदान है। इस सेक्टर के विकास के लिए आरबीआई द्वारा कई अहम कदम उठाए गए हैं। आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिये जानते हैं कि वर्ष 2023 में भारतीय रिजर्व बैंक ने फिनटेक सेक्टर के लिए कौन-से अहम फैसले लिए हैं।

डिजिटल लोन

कुछ साल पहले लोगों को लोन लेने में जहां दिक्कत का सामना करना होता था, वहीं आज कुछ मिनटों में लोगों को लोन मिल जाता है। केंद्रीय बैंक ने डिजिटल लोन (Digital Loan) के लिए कई अहम कदम उठाए हैं। डिजिटल लोन के लिए आरबीआई ने हाल में ही एफएलडीजी (FLDG) दिशानिर्देशों को जारी किया है। इन निर्देशों में बैंक ने डिफॉल्टर (Defaulter) उधारकर्ता की संभावना को कम करने के लिए भी फैसला लिया है।

आपको बता दें कि इस निर्देश के जारी होने के बाद डिजिटल लोन का एक ओर बढ़ावा मिला है तो दूसरी तरफ देश में डिजिटल अर्थव्यवस्था के बढ़ने की संभावनाएं भी ज्यादा हुई है। आरबीआई ने फर्स्ट लॉस डिफॉल्ट गारंटी (FLDG) को भी मंजूरी दे दी है। यह डिफॉल्ट उधारकर्ताओं से हो रहे नुकसान की संभावनाओं को कम करने में मदद करता है।

देश के बाहर पहुंचा यूपीआई

अब भारत के साथ कई बाहरी देशों में भी हम यूपीआई के जरिये आसानी से ऑनलाइन पेमेंट कर सकते हैं। एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (NPCIPL) ने सिंगापुर, यूएई, मॉरीशस, नेपाल और भूटान के साथ कई और देशों में यूपीआई (UPI) पेमेंट के लिए साझेदारी की है। इस साझेदारी के बाद भारतीय आसानी से डिजिटल पेमेंट (Digital Payment) का लाभ उठा सकते हैं। इसके अलावा यह देश के करेंसी ट्रांजेक्शन के लिए लगने वाली लागत को भी कम किया है।

यूपीआई की सराहना करते हुए बिल गेट्स (Bill Gates) ने सिंगापुर फिनटेक फेस्टिवल (Singapore Fintech Festival) में कहा कि भारत ने डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा दिया है। वहीं बैंक के साथ स्मार्टफोन के ऐप से आसानी से रुपये का लेनदेन हो जाता है। इसके अलावा वहां सभी वर्ग तक डिजिटल पेमेंट पहुंच गया है। अब हर वर्ग आराम से बड़ी लेनदेन के साथ छोटी पेमेंट के लिए यूपीआई कर सकते हैं।

डिजिटल करेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक ने डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने के लिए ई-रुपी (E-Rupee) लॉन्च किया। यह डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने में कारगर साबित हुआ है। आपको बता दें कि ई-रुपी बैंक की सॉवरेन करेंसी (Sovereign Currency) है। डिजिटल करेंसी ने डिजिटल युग में एक तरह से क्रांति ला दी है। देश में डिजिटल करेंसी को बढ़ावा देने के लिए आरबीआई ने 1 दिसंबर 2022 को पायलट प्रोग्राम (Pilot Program) शुरू किया था। इस प्रोग्राम में खुदरा डिजिटल रुपया या ई-रुपी को सीबीडीसी के लिए शुरू किया गया था।

ई-करेंसी को बढ़ावा देने के लिए बैंक-टू-बैंक या क्रेडिट-टू-बैंक यूपीआई पेमेंट को भी स्वीकृति दी है। अब ग्राहक यूपीआई स्कैन करके आसानी से सीबीडीसी वॉलेट (CBDC Wallet) से भी ई-रुपी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

यूपीआई से पेमेंट करने का है शौक तो भूलकर भी ना करें ये गलतियां, खाली हो जाएगा अकाउंट

अब हम 1 रुपये से लेकर 1 लाख रुपये तक की पेमेंट आसानी से यूपीआई के जरिये कर देते हैं। कई बार हम यूपीआई करते समय गलती कर दते हैं। यह गलती हमें काफी महंगी पड़ जाती है। देश में यूपीआई से जुड़े फ्रॉड की संख्या बढ़ गई है। आज हम इस आर्टिकल में जानते हैं कि यूपीआई करते समय हमें कौन-सी गलतियां करने से बचना चाहिए।

नई दिल्ली। आज के समय में किराने से लेकर कोई बड़ी पेमेंट के लिए हम यूपीआई करना काफी पसंद करते हैं। देश में यूपीआई की संख्या में वृद्धि देखने को मिली है। आप कुछ सेकेंड में PayTm, PhonePay, BHIM या बाकी यूपीआई ऐप के जरिये आसानी से पेमेंट कर सकते हैं। ऑनलाइन पेमेंट की वजह से अब लोगों को कैश रखने की आवश्यकता नहीं होती है।

आपको बता दें कि आपको ऑनलाइन पेमेंट करते समय काफी सावधानी रखने की जरूरत है। अगर आपसे कोई गलती हो जाती है तो यह आपको वित्तीय तौर पर नुकसान पहुंचा सकता है। आज हम आपको बताएंगे कि आपको यूपीआई करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

यूपीआई पिन

आपको कभी भी अपना यूपीआई पिन किसी के साथ भी शेयर नहीं करना चाहिए। यूपीआई से पेमेंट करने से पहले हमसे पिन मांगा जाता है। अगर हम यह पिन किसी को साझा करते हैं तो कोई भी उस पिन का गलत इस्तेमाल करके अकाउंट से राशि निकाल सकते हैं। इस वजह से एक्सपर्ट भी सलाह देते हैं कि हमें यूपीआई पिन को पर्सनल रखना चाहिए।

इसके अलावा आप नियमित तौर पर अपनी यूपीआई पिन भी जरूर बदलें। यह आपके साथ होने वाले फ्रॉड की संभावना को काफी कम कर देता है।

स्क्रीन लॉक

आज लगभग सभी स्मार्टफोन में स्क्रीन लॉक की सुविधा मिल गई है। ऐसे में आपको खुद को किसी भी तरह के फ्रॉड से बचने के लिए अपना स्क्रीन लॉक करना चाहिए। यह आपके सभी ऐप की सिक्योरिटी के साथ आपके पेमेंट को सिक्योर करता है। अगर आप अपने फोन का स्क्रीन लॉक नहीं करते हैं तो कोई भी बड़ी आसानी से आपके फोन को हैक कर सकते है।

अपने फोन और अपने यूपीआई ऐप को सिक्योर करने के लिए स्क्रीन लॉक करना काफी जरूरी है। यह आपके ऐप को सिक्योर करता है।

यूपीआई आई-डी वेरिफाई

आप जब भी कोई यूपीआई पेमेंट करते हैं तो आपको यूपीआई-आडी वेरिफाई करनी चाहिए। कभी भी पेमेंट करते समय किसी भी प्रकार की जल्दबाजी ना करें। अगर आप जल्दबाजी में पेमेंट करते हैं तो गलत यूपआई आईडी पर ट्रांजेक्शन की उम्मीद होती है। ऐसे में आप कभी गलत यूपीआई आईडी पर ट्रांजेक्शन ना करें इसके लिए आपको दोबारा यूपीआई आईडी की जांच करनी चाहिए।

एक से अधिक यूपीआई ऐप

कई लोग ऑनलाइन पेमेंट के लिए एक स अधिक यूपीआई ऐप का इस्तेमाल करते हैं। एक से अधिक यूपीआई ऐप से हमेशा बचना चाहिए। कई बार एक से अधिक यूपीआई ऐप की वजह से हम कंफ्यूज हो जाते हैं। ऐसे में कोशिश करें कि आप हमेशा से यूपीआई पेमेंट के लिए केवल एक ही ऐप का इस्तेमाल करें। आपको कभी भी किसी अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करना चाहिए।

कारोबारी हफ्ते के आखिरी दिन महंगा हुआ सोना-चांदी, चेक करें आपके शहर में क्या है सोने

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। आज सोना 300 रुपये और चांदी 400 रुपया महंगा हो गया है। नई दिल्ली में सोने की कीमत 300 रुपये बढ़कर 63350 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। जानिए आज आपके शहर में क्या है सोने का रेट कितना है?

नईदिल्ली। शुक्रवार को गोल्ड और सिल्वर के प्राइस में तेजी देखने को मिली है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार विदेशी बाजारों में तेजी के कारोबार के बीच राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को सोने की कीमत 300 रुपये बढ़कर 63,350 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। पिछले कारोबार में सोना 63,050 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज में कमोडिटी के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा

गुरुवार को तीसरी तिमाही के लिए अमेरिकी विकास दर में गिरावट के बाद डॉलर सूचकांक अगस्त की शुरुआत से अपने सबसे निचले स्तर पर गिर गया, जिससे सोने की कीमतों में तेजी आई।

अगर आप भी गोल्ड या सिल्वर खरीदने का सोच रहे हैं तो आप एक बार अपने शहर के लेटेस्ट रेट जरूर चेक करना चाहिए।

महंगा हुआ सोना

वायदा कारोबार में शुक्रवार को सोने की कीमत 206 रुपये बढ़कर 62,763 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर, फरवरी डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध की कीमत 206 रुपये या 0.42 प्रतिशत बढ़कर 62,763 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जिसमें 15,325 लॉट का कारोबार हुआ।

वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में सोना वायदा 0.51 प्रतिशत बढ़कर 2,061.80 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस हो गया।

चढ़ गए चांदी के दाम

वायदा कारोबार में शुक्रवार को चांदी की कीमत 339 रुपये बढ़कर 75,765 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में, मार्च डिलीवरी के लिए चांदी अनुबंध 15,272 लॉट में 339 रुपये या 0.45 प्रतिशत बढ़कर 75,765 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया।

वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में चांदी 0.63 प्रतिशत बढ़कर 24.74 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

चेक करें लेटेस्ट रेट

गुड रिटर्न के मुताबिक खबर लिखे जाने तक सोने की स्पॉट कीमत विभिन्न शहरों में इस प्रकार है:

दिल्ली में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63,380 रुपये है।

नोएडा में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63,380 रुपये है।

मुंबई में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63,230 रुपये है।

चैन्नई में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63,550 रुपये है।

कश्मीरी गेट-फरीदाबाद मेट्रो अब निजी कंपनी चलाएगी, ट्रेन चालकों की होगी नियुक्ति

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली मेट्रो अपना खुद का खर्चा कम करने के लिए दूसरे कॉरिडोर पर परिचालन की जिम्मेदारी निजी एजेंसियों को सौंपेगी। इसके लिए वायलेट लाइन पर ट्रेन चालकों और सुपरवाइजरों को भर्ती किया जाएगा।

नईदिल्ली। राजधानी की लाइफलाइन मेट्रो का संचालन तेजी से निजी कंपनियों को देने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने वायलेट लाइन पर मेट्रो के संचालन को निजी कंपनी को सौंपने के लिए टेंडर नोटिस जारी किया है। नये साल से इस लाइन का परिचालन निजी हाथों में होगा।

निजी कंपनियों के हाथ में होगी मेट्रो की कमान

करीब दो माह पहले रेड लाइन पर भी मेट्रो संचालन को निजी हाथों में सौंपने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। अब वायलेट लाइन के लिए टेंडर नोटिस जारी किया गया है। वहीं, येलो लाइन पर पहले से मेट्रो का संचालन निजी हाथों में है। यदि सब कुछ ठीक रहा तो दिल्ली मेट्रो की 12 में से तीन लाइनों पर ट्रेनों का संचालन निजी कंपनियों के हाथों में होगा।

शुरु होगी टेंडर की प्रक्रिया

सूत्रों का कहना है कि टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद यदि सब कुछ ठीक रहा तो वायलेट लाइन पर सितंबर 2024 से मेट्रो का संचालन निजी कंपनी करेगी। वहीं, येलो लाइन पर मेट्रो का संचालन वर्ष 2021 में निजी हाथों में सौंपा गया था। यहां अनुबंध अगले वर्ष खत्म हो रहा है। सूत्रों ने बताया कि निजी कंपनी पर संचालन का जिम्मा छह वर्ष के लिए होगा। इस योजना की लागत 96.29 करोड़ होगी।

आवंटन के बाद शुरू होगी नियुक्ति प्रक्रिया

टेंडर आवंटन के बाद ढाई माह में कंपनी को ट्रेन चालकों की नियुक्ति करनी होगी। इसके बाद ढाई माह डीएमआरसी चालकों को प्रशिक्षित करेगा। प्रशिक्षण के बाद कंपनी द्वारा उपलब्ध कराए गए कर्मचारियों को परीक्षा पास करनी होगी। इस परीक्षा के लिए अधिकतम दो बार अवसर दिया जाएगा। दो बार में परीक्षा पास नहीं होने पर उसे नहीं रखा जाएगा। ट्रेन चालकों से सप्ताह में 48 घंटे से अधिक काम नहीं लिया जाएगा।

भि के पांडियन ने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि केंद्र के प्रभावशाली मंत्री ने जिले के लिए क्या किया है?

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेस्वरः फाइव-टी के चेयरमैन भि के पांडियन ने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर फिर निशाना साधा. अपने अंगुल दौरे के दौरान उन्होंने धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साधा और उनसे कई मुद्दों पर सवाल किए. उन्होंने पूछा है कि केंद्र में शक्तिशाली मंत्री होने के पिछले 10 वर्षों में अंगुल के लिए क्या किया गया है।उन्होंने केंद्रीय मंत्री से पूछा कि जिले में कितने केंद्रीय विद्यालय खुले, कितने कौशल विकास केंद्र खुले. उन्होंने यहां तक सवाल किया कि कटक-अंगुल सड़क समस्या का समाधान क्यों नहीं किया गया . कल भद्रक दौरे पर आए केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर भी निशाना साधा गया. उन्होंने कहा कि 11 महीने से भी कम समय पहले धामनगर में जनमत संग्रह हुआ था. जो बीजेपी प्रत्याशी के लिए प्रचार कर रहे थे, उन्होंने धामनगर आकर प्रचार के दौरान सैकड़ों प्रतिज्ञाएं कीं. प्रत्याशी जीतने के बाद वह दौरा नहीं करते। पांडियन ने कहा कि वह धन्यवाद देने भी नहीं आये।

बीजू स्वास्थ्य कल्याण योजना-नवीन कार्ड का शुभारंभ मुख्यमंत्री द्वारा किया गया है

भुबनेस्वरः मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने बीजू स्वास्थ्य कल्याण योजना-नवीन कार्ड लॉन्च किया है। इस कार्ड से राज्य के 90 फीसदी लोगों को फायदा होगा। कोई भी व्यक्ति आर्थिक कारणों से अच्छे इलाज से वंचित न रहे, इसके लिए मुख्यमंत्री ने बीएसकेवाई नवीन कार्ड लॉन्च किया है. बीएसकेवाई योजना के तहत हर माह 45 लाख से अधिक लोग विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में मुफ्त इलाज करा रहे हैं.इसके अलावा निजी अस्पतालों में 130,000 लोग कैशलेस इलाज करा रहे हैं. इसके लिए राज्य सरकार पंजीकृत निजी अस्पतालों में प्रति माह 260 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। पिछले 5 वर्षों में राज्य सरकार ने बीएसकेवाई योजना में 4,500 करोड़ रुपये खर्च किए हैं और विभिन्न निजी अस्पतालों में 21 लाख मरीजों को कैशलेस इलाज की सुविधा प्रदान की है।. उन्हें नया BSKY-Nabin कार्ड मिलेगा. उन्हें राज्य के भीतर और बाहर सभी पंजीकृत निजी अस्पतालों में निर्धारित गंभीर बीमारियों के इलाज की सुविधा भी उपलब्ध होगी। देशभर में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में यह एक अनूठा उदाहरण है।

नए वेरिएंट से पीड़ित मरीज हुआ ठीक, कोरोना से निपटने की तैयारियों का मंत्री ने लिया जायजा

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली में अभी तक जेएन.1 के केवल एक ही मरीज की पुष्टि हुई थी। मरीज की पुष्टि होने के बाद वह नजदीकी किसी अस्पताल में भर्ती हुआ था। वह मरीज भी ठीक हो गया है।

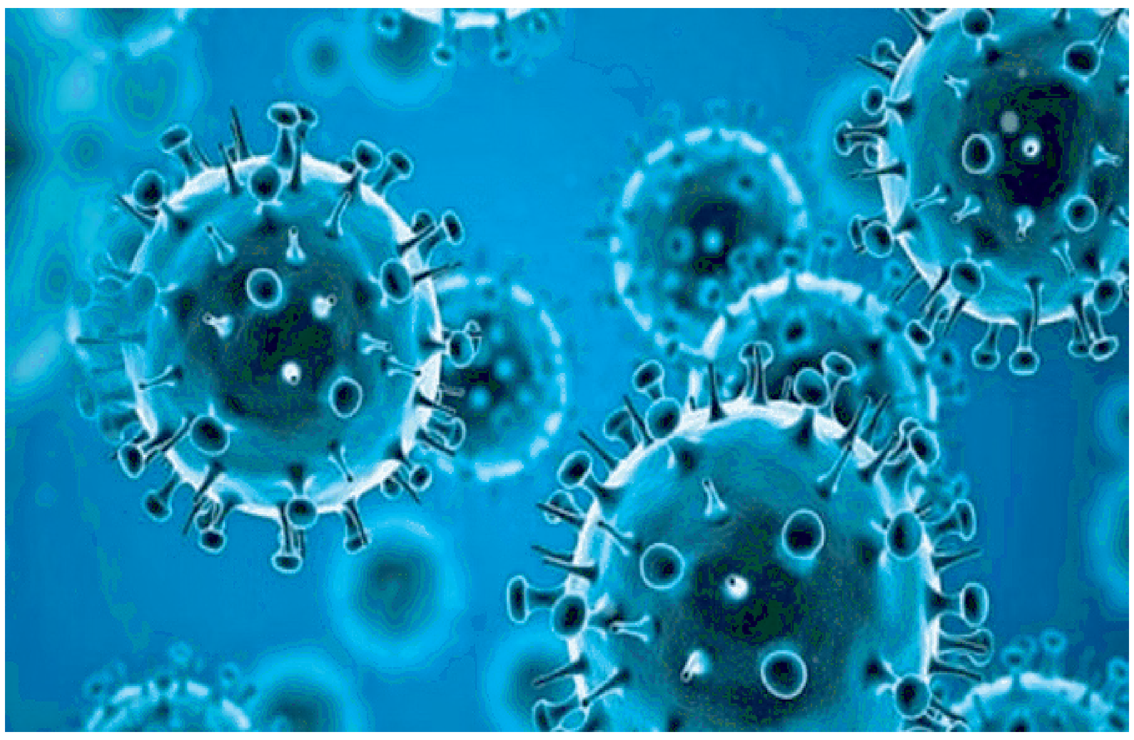

दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज शुक्रवार को कोरोना के नए वेरिएंट जेएन.1 से निपटने की तैयारियों का जायजा लेने लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल पहुंचे। वहां उन्होंने प्रशासन से तैयारियों के बारे में जानकारी हासिल की। साथ ही संबंधित व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने निर्देश दिए। इसके अलावा सरकार की ओर से हरसंभव मदद का आश्वासन भी दिया। वहीं दिल्ली में मिला नए वेरिएंट का मरीज ठीक हो गया है।

भारद्वाज ने बताया कि अस्पताल में कोरोना के मरीजों के लिए एक अलग ही वार्ड तैयार किया गया है, जिसमें कोरोना के मरीजों के लिए लगभग 20 बेड की व्यवस्था की गई है और मरीजों को होने वाली समस्याओं से निपटने की सभी व्यवस्थाएं भी उस वार्ड में मौजूद है। उन्होंने बताया हालांकि अभी पूरा वार्ड खाली है, क्योंकि अस्पताल में अभी तक एक भी कोरोना मरीज के होने की पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन, लगातार अस्पताल में कोरोना के लक्षणों से संबंधित मरीजों की जांच की जा रही है, जैसे ही कोई भी कोरोना संबंधित मरीज की पुष्टि होती है, उसको तुरंत अस्पताल में भर्ती कर उपचार शुरू किया जाएगा।

अस्पताल में हेल्प डेस्क की व्यवस्था मौजूद

भारद्वाज ने बताया कि अस्पताल में लगभग सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी है। परिस्थितियों को देखते हुए आगे को भी जरूरत होगी, उस हिसाब से तैयारी की जाएगी। अस्पताल में कोरोना जैसे लक्षण वाले मरीजों के लिए अलग से हेल्प डेस्क की व्यवस्था की गई है, ताकि कोरोना के मरीजों को किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। साथ ही, अस्पताल में आने वाले अन्य मरीजों को भी किसी प्रकार का खतरा न हो। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि संदिग्ध लक्षण वाले मारीजों का आरटीपीसीआर टेस्ट किया जाएगा। इस टेस्ट के लिए अस्पताल में अलग से एक जांच केंद्र की व्यवस्था की गई है।

नए वेरिएंट से पीड़ित मरीज हुआ ठीक

सौरभ भारद्वाज ने कोरोना के नए वेरिएंट जेएन.1 से पीड़ित मरीजों के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली में अभी तक जेएन.1 के केवल एक ही मरीज की पुष्टि हुई थी। मरीज की पुष्टि होने के बाद वह नजदीकी किसी अस्पताल में भर्ती हुआ था। उन्होंने बताया कि वह मरीज भी अब स्वस्थ हो चुका है और अपने घर लौट चुका है।

कोहरे और शीतलहर ने लोगों की बढ़ाई मुश्किलें, दिल्ली में अलर्ट जारी; देरी से चल रहीं 11 ट्रेनें

मौसम विभाग ने गुरुवार को कहा कि दिल्ली में अगले पांच दिनों बहुत घना कोहरा छाने का अनुमान है। इस दौरान न्यूनतम तापमान सात से आठ डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान जताया है। आईएमडी ने दिल्ली और इससे सटे हरियाणा और चंडीगढ़ के लिए 31 दिसंबर तक घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है।

नईदिल्ली। इन दिनों दिल्ली एनसीआर समेत पूरा उत्तर भारत घने कोहरे और शीतलहर की मार झेल रहा है। कड़ाके की ठंड ने दिल्ली वालों को घरों में दुबकने पर मजबूर कर दिया है। मौसम विभाग ने न्यूनतम तापमान में गिरावट का संकेत दिया है। पारे में गिरावट के सथा ही पहाड़ों से आ रही ठंडी हवाएं दिल्ली में भी सिहरन पैदा कर सकती हैं।

प्रादेशिक मौसम विभाग के मुताबिक, शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 7 डिग्री व अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहने के आसार हैं। वहीं, दिल्ली एनसीआर के कई इलाकों में विजिबिलिटी 0-50 मीटर तक रही। 29 दिसंबर की सुबह 5:30 बजे सफदरजंग में 200 मीटर और पालम में 50 मीटर दृश्यता दर्ज की गई है।

राष्ट्रीय राजधानी में घने कोहरे के कारण दृश्यता कम होने के कारण शुक्रवार को दिल्ली आने वाली कम से कम 11 ट्रेनें देरी से चल रही हैं। उत्तर रेलवे के सीपीआरओ दीपक कुमार ने कहा कि 29 दिसंबर को दिल्ली क्षेत्र में देरी से पहुंचने वाली ट्रेनों में मुंबई सीएसएमटी-अमृतसर एक्सप्रेस, फरक्का एक्सप्रेस, हिमाचल एक्सप्रेस, ब्रह्मपुत्र मेल, एमसीटीएम उधमपुर-दिल्ली सराय रोहिल्ला एसी एसएफ एक्सप्रेस, लखनऊ मेल, दानापुर-आनंद विहार टर्मिनल जनसाधारण एक्सप्रेस, रक्सौल- आनंद विहार टर्मिनल सद्भावना एक्सप्रेस, जम्मू मेल, पद्मावत एक्सप्रेस और काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस शामिल हैं।

पहाड़ों पर बर्फबारी से मैदानी इलाकों में ठिठुरन बढ़ रही है। गुरुवार को न्यूनतम तापमान 8.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री अधिक दर्ज रहा। अधिकतम तापमान 21.4 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य से एक डिग्री अधिक रहा। सुबह हल्का कोहरा छाया रहा। इससे लोगों को राहत मिली। लोधी रोड में न्यूनतम तापमान 8.4 डिग्री दर्ज किया गया जो अन्य इलाकों के मुकाबले सबसे ठंडा रहा। पालम में 9.3, आया नगर में 9.5, रिज में 9.6 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, अधिकतम तापमान लोधी रोड में 20.9, आया नगर में 20.4, रिज में 20.4, पालम में 16.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, मौसम विभाग ने गुरुवार को कहा कि दिल्ली में अगले पांच दिनों बहुत घना कोहरा छाने का अनुमान है। इस दौरान न्यूनतम तापमान सात से आठ डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान जताया है। आईएमडी ने दिल्ली और इससे सटे हरियाणा और चंडीगढ़ के लिए 31 दिसंबर तक घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। घने कोहरे के चलते मौसम विभाग ने वाहन चालकों को फॉग लाइट का उपयोग करने और यात्रियों को एयरलाइंस, रेलवे और राज्य परिवहन के शेड्यूल के बारे में अपडेट रहने की सलाह दी है।

ट्रेनों के लिए कई घंटों का इंतजार

उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे के कारण यातायात के सभी संसाधनों से सफर करने वाले लोगों की परेशानी बढ़ गई है। कोहरे के कारण ट्रेनों व विमान सेवा प्रभावित हैं।

सिद्ध अगथियार के जन्म दिवस पर हर्षोल्लास के माहौल में मनाया गया सिद्ध दिवस

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नई दिल्ली। सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन सिद्ध (सीसीआरएस) भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संगठन है। सीसीआरएस सिद्ध चिकित्सा प्रणाली में अनुसंधान करने के लिए एक शीर्ष निकाय है। सिद्ध क्लिनिकल रिसर्च यूनिट, नई दिल्ली सीसीआरएस की परिधीय इकाई में से एक है, जिसने 2019 से सफदरजंग अस्पताल परिसर में काम करना शुरू किया था। सिद्धार अगथियार को सिद्ध चिकित्सा का जनक माना जाता है। सिद्ध प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए सिद्ध अगाथियार का जन्मदिन हर साल सिद्ध दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष 7वां सिद्ध दिवस सीसीआरएस निर्देश और आयुष मंत्रालय की मंजूरी के अनुसार 30 दिसंबर 2023 को मनाया जाना है। सिद्ध दिवस के संदर्भ में, सीसीआरएस के तहत इसके संस्थानों/इकाइयों द्वारा विभिन्न पूर्व-कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। सिद्ध दिवस-पूर्व आयोजनों के एक भाग के रूप में, वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, सरकार के सहयोग से सिद्ध क्लिनिकल रिसर्च यूनिट, नई दिल्ली। भारत सरकार 28 और 29 दिसंबर 2023 को सुबह 10.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक न्यू इवनिंग मेडिसिन ओपीडी के सामने खुले स्थान पर ₹प्राचीन ज्ञान और आधुनिक समाधान₹ विषय पर आम जनता के लिए एक सिद्ध जागरूकता एक्सपो का आयोजन कर रही है। स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर के पास, सफदरजंग अस्पताल। डॉक्टर, संकाय, अनुसंधान विद्वान, छात्र और जनता सिद्ध जागरूकता एक्सपो में भाग ले सकते हैं।सिद्ध जागरूकता एक्सपो का उद्घाटन किसके द्वारा किया गया? प्रोफेसर डॉ. जयंती मणि, अपर चिकित्सा अधीक्षक, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल प्रोफेसर डॉ. जसबीर सिंह भाटिया, अपर चिकित्सा अधीक्षक, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल प्रोफेसर डॉ. आर.पी.अरोड़ा, अपर चिकित्सा अधीक्षक, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल प्रोफेसर डॉ. कपिल सूरी, अपर. चिकित्सा अधीक्षक वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल व डॉ अकीला उपस्थित रहे।

निगम की बैठक में हंगामे पर नेता विपक्ष समेत चार पार्षद निलंबित, मेयर बोलीं- भाजपाई नहीं चलने दे रहे सदन

मेयर के आग्रह पर भी पार्षद शांत नहीं हुए। इस कारण मेयर ने नेता प्रतिपक्ष समेत भाजपा के चार पार्षदों को 15 दिन के लिए सदन से निलंबित कर दिया।

एमसीडी सदन की बृहस्पतिवार को बैठक शुरू होते ही भाजपा पार्षदों ने दिल्ली सरकार के दवा घोटाले के मसले पर हंगामा करना शुरू कर दिया। मेयर के आग्रह पर भी पार्षद शांत नहीं हुए। इस कारण मेयर ने नेता प्रतिपक्ष समेत भाजपा के चार पार्षदों को 15 दिन के लिए सदन से निलंबित कर दिया। इसके बाद आप पार्षदों ने केंद्र के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। हंगामे के बीच नेता सदन ने एजेंडा पास कर दिया। इसके बाद मेयर ने अनिश्चितकाल के लिए सदन की बैठक स्थगित कर दी।

विभिन्न योजनाओं के 20 प्रस्ताव पारित

इस बीच नेता मुकेश गोयल ने एजेंडा पास करना शुरू कर दिया। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के 20 प्रस्ताव पास किए, जबकि चार प्रस्ताव स्थगित किए और दो प्रस्ताव वापस कर दिए। स्थगित किए गए प्रस्तावों में ट्रांसफर ऑफ लैंड एप्रोच रोड, सेंट्रल जोन में तीन जगह मल्टीलेवल पार्किंग, शांति देवी स्पोर्ट्स क्लब और टोल टैक्स की पेमेंट से संबंधित प्रस्ताव शामिल है।

भाजपाई नहीं चलने दे रहे सदन : मेयर

सदन की बैठके के बाद मेयर शैली ओबराय ने भाजपा पर आरोपों की झड़ी लगाई। उन्होंने कहा कि भाजपा दिल्ली वासियों के कार्यों में अड़ंगा लगाने की पूरी कोशिश कर रही है। इस साजिश के तहत भाजपा सदन नहीं चलने दे रही है।

स्वास्थ्य मंत्री की गिरफ्तारी की मांग

सदन की बैठक शुरू होते ही आप पार्षद प्रीति अपने इलाके की एक समस्या की ओर से मेयर का ध्यान आकर्षित करने लगी। इसी बीच नेता प्रतिपक्ष राजा इकबाल सिंह ने सुप्रीम कोर्ट की एक कमेटी ने सभी सील दुकानों को डी-सील करने के आदेश के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होने का मुद्दा उठाया। इसी बीच उन्होंने दिल्ली सरकार के अस्पतालों में नकली दवाइयां वितरित करने के मामले में स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज की गिरफ्तारी की मांग करनी शुरू कर दी। इसके बाद भाजपा के पार्षद दिल्ली सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। वे सीटों पर चढ़कर हाथों में दवाई घोटाले व अन्य मामलों में आप को घेरने संबंधी बातें लिखी तख्तिया व बैनर लहराने लग गए।

चेतावनी के बाद भी नहीं हुए शांत

मेयर शैली ओबराय ने उनको कई बार शांत होने का आग्रह करने के साथ-साथ चेतावनी दी, लेकिन वे शांत नहीं हुए। इसके बाद उन्होंने राजा इकबाल सिंह, योगेन्द्र वर्मा, गजेंद्र सिंह और रवि नेगी को 15 दिनों के लिए सदन से निलंबित कर दिया। इस तरह वह आगामी 15 दिन के दौरान सदन की होने वाली बैठक में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। इसके बाद भी भाजपा पार्षदों ने आप के खिलाफ नारेबाजी करने का सिलसिला जारी रखा। उधर आप पार्षदों ने भी पलटवार करते हुए प्रधानमंत्री के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री के खिलाफ नारे लगाने शुरू कर दिए।

बैठक में नियमों का नहीं हुआ पालन : राजा इकबाल

नेता प्रतिपक्ष राजा इकबाल ने संवाददाता सम्मेलन में बृहस्पतिवार को सदन की बुलाई गई बैठक पर सवाल उठाया। मेयर ने पिछले सदन की बैठक की कार्यवाही पर मुहर नहीं लगाई। इसके अलावा बैठक में अल्पकालिक चर्चा और आधे घंटे की बहस निर्धारित नहीं थी। उन्होंने कहा कि मेयर मनमानी कर रही है और जनता के हितों से उनको कोई सरोबार नहीं है। बैठक में आप के तानाशाही रवैये के कारण हंगामा हुआ। बैठक में आप की कोई रचनात्मक भूमिका नहीं रहती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023